दैनिक

बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

एक विश्वास...

कंगना और इम्तियाज की फिल्म को ...8

बलरामपुर

बुधवार , 17 जून 2026

वर्ष: 05 अंक : 256 पृष्ठः 8

आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, में एक साथ प्रसारित ।

सम्पादक : राजेश शर्मा

9415163471, 9453824459 Dainik Budh ka sandesh @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

डीएम ने मेंहदावल तहसील में करमैनी बेलौली तटबंध पर चलित नई बाढ़ परियोजनाओं का किया निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का सन्देश

संतकबीर नगर । जिलाधिकारी आलोक कुमार द्वारा ड्रेनेज खण्ड–2 संतकबीरनगर के नियंत्रणाधीन मेंहदावल तहसील में राप्ती नदी के दायें तट पर निर्मित करमैनी बेलौली तटबंध पर चलित नई बाढ़ परियोजनाओं का निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी द्वारा मौके पर उपस्थित अधिशाषी अभियंता अजय कुमार ,सहायक अभियंता एवं जूनियर इंजीनियरों को तटबंधों की सुरक्षा एवं बरसात के मौसम में संभावित बाढ़ के .ष्टिगत बाढ़ से बचाव एवं संबंधित सुरक्षात्मक उपायों को व्यवस्थित करने हेतु आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए।

जी 7 शिखर सम्मेलन से पीएम मोदी का दुनिया को बड़ा संदेश

Sustainable Planet के लिए भारत प्रतिबद्ध

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि वह फ्रांस के एवियन–लेस–बेन्स शहर में ळ7 शिखर सम्मेलन में दुनिया के नेताओं के साथ बातचीत करने के लिए उत्सुक हैं। दुनिया के सात प्रमुख औद्योगिक देशों (ळ7) के नेता शिखर सम्मेलन में बातचीत के अपने पहले पूरे दिन की बैठक कर रहे हैं, जिसकी शुरुआत आधिकारिक तौर पर सोमवार को हुई थी। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि वह जी 7 शिखर सम्मेलन के लिए फ्रांस के एवियन पहुँच गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि भारत ष्एक ज्यादा टिकाऊ और समृद्ध ग्रह के लिए सामूहिक प्रयासोंष् को आगे बढ़ाने के लिए ष्पूरी तरह प्रतिबद्धष् है। इससे पहले मंगलवार (स्थानीय समय) को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बताया कि स्लोवाकिया की अपनी यात्रा पूरी करने के बाद वे स्विट्जरलैंड

के जिनेवा पहुँच गए हैं।

फ्रांस 15 से 17 जून तक होने वाले 52वें जी 7 शिखर सम्मेलन का मेजबान देश है। दुनिया के सात प्रमुख औद्योगिक देशों के समूह जी7 में फ्रांस, अमेरिका, जर्मनी, ब्रिटेन, जापान, इटली और कनाडा शामिल हैं। भारत भी एक सहयोगी देश के तौर पर 13वीं बार जी7 शिखर सम्मेलन में हिस्सा ले रहा है और यह सम्मेलन प्रधानमंत्री मोदी की इस बैठक में लगातार सातवीं भागीदारी होगी। स्लोवाकिया की अपनी यात्रा के समापन पर प्रधानमंत्री ने इसे ष्ऐतिहासिक और फलदायीष् बताया और कहा कि इस यात्रा के नतीजे दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करेंगे। भारत–स्लोवाकिया संबंधों की गर्मजोशी को दर्शाते हुए, स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको ने यात्रा पूरी होने के बाद प्रधानमंत्री मोदी को व्यक्तिगत रूप से विदा किया। अपनी यात्रा के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी को स्लोवाकिया के राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी ने देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान श्द ऑर्डर ऑफ द व्हाइट डबल क्रॉस (फर्स्ट क्लास)श से सम्मानित किया। यह सम्मान किसी विदेशी देश द्वारा प्रधानमंत्री मोदी को दिया गया 33वां अंतरराष्ट्रीय सम्मान था। पीएम मोदी की यात्रा के दौरान, दोनों देशों ने शिक्षा, रिसर्च, टैलेंट मोबिलिटी और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में कई समझौतों (डवन) पर हस्ताक्षर किए, जिससे उनके संबंध और मजबूत हुए। स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको के साथ प्रतिनिधिमंडल–स्तर की बातचीत के बाद, ब्रातिस्लावा में प्रधानमंत्री मोदी की राजकीय यात्रा के दौरान जारी एक संयुक्त बयान में इन समझौतों को औपचारिक रूप दिया गया।

राजौरी में एलओसी के पास बड़ा हादसा, ग्रेनेड ब्लास्ट में जेसीओ समेत 4 जवान घायल

जम्मू–कश्मीर के राजौरी

जिले में लाइन ऑफ कंट्रोल के पास गश्त के दौरान एक दुखद घटना हुई, जिसमें ग्रेनेड के अचानक फटने से भारतीय सेना के चार जवान घायल हो गए। खबरों के मुताबिक, यह घटना नौशेरा सेक्टर में तब हुई जब स्वब पर तैनात कुमाऊं रेजिमेंट यूनिट के जवान नियमित गश्त कर रहे थे। ऑपरेशन के दौरान, कथित तौर पर एक मल्टी–मोड ग्रेनेड गलती से फट गया, जिससे एक जूनियर कमीशंड ऑफिसर और तीन जवान घायल हो गए।

रूटीन पेट्रोलिंग के दौरान धमाका हुआ

सूत्रों के मुताबिक, यह धमाका तब हुआ जब सैनिक संवेदनशील बॉर्डर इलाके में रेगुलर निगरानी और सुरक्षा ड्यूटी के तहत आगे के इलाके से गुजर रहे थे। अचानक हुए इस धमाके में चार जवान घायल हो गए, जिसके बाद मौके पर मौजूद दूसरे सैनिकों ने तुरंत इमरजेंसी कार्रवाई की। घायल सैनिकों को तुरंत घटनास्थल से निकालकर पास के मेडिकल सेंटर ले जाया गया, जहाँ उनका इलाज चल रहा है।

कीर्ति आजाद बोलेः बागी टीएमसी सांसद गद्दार

तृणमूल कांग्रेस के सांसद कीर्ति आजाद ने मंगलवार को उन 20 बागी टीएमसी सांसदों पर तीखा हमला बोला, जो नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया में शामिल हो गए हैं। उन्होंने इन सांसदों को गद्दार कहा और उस राजनीतिक संगठन की कानूनी वैधता पर सवाल उठाए, जिसमें वे शामिल हुए हैं। एएनआई से बात करते हुए, आजाद ने अलग हुए गुट के कदम को खारिज कर दिया और पुष्टि की कि TMC ने लोकसभा स्पीकर को आधिकारिक तौर पर अपना रुख बता दिया है। आजाद ने कहा कि लोकसभा स्पीकर को लिखे हमारे पत्र में साफ तौर पर कहा गया है कि असली ज्डब् ममता बनर्जी की है, क्योंकि यह राजनीतिक पार्टी उन्हीं की है। स्पीकर को दिया गया पत्र गुमराह करने वाला है। आजाद ने आगे दावा किया कि यह कदम विचारधारा के बजाय निजी महत्वाकांक्षा से प्रेरित था और आरोप लगाया कि संभावित मंत्री पदों को लेकर बागी नेताओं के बीच मतभेद थे। आजाद ने कहा कि गद्दारों के बीच इस बात को लेकर बगावत है कि मंत्री कौन बनेगा। जिस पार्टी में वे शामिल हुए हैं, उसका संसद में कोई प्रतिनिधित्व नहीं है। यह एक गैर–मान्यता प्राप्त और अपंजीकृत पार्टी है। इसकी कोई पहचान नहीं है।

बीजेपी नई टीम पर आरएसएस की मुहर!

मोदी के विजन संग सामाजिक समीकरण पर रहेगा जोर

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के घर पर बीजेपी के सीनियर नेताओं और आरएसएस के प्रतिनिधियों की चार घंटे की बैठक के एक दिन बाद, पार्टी सूत्रों ने बताया कि अध्यक्ष नितिन नवीन की नई टीम का ऐलान जल्द ही किया जाएगा। संगठन में बड़े बदलाव की अटकलों के बीच, इस बैठक में गृह मंत्री अमित शाह, आरएसएस पदाधिकारी अरुण कुमार और भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बीएल संतोष शामिल हुए। हालांकि कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई, लेकिन सूत्रों का कहना है कि बातचीत संगठन के पुनर्गठन और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के नेतृत्व में एक नई टीम बनाने पर केंद्रित थी। यह बैठक इसलिए भी अहम है क्योंकि

दिल्ली भाजपा और राष्ट्रीय भाजपा इकाई समेत कई राज्य इकाइयों में जल्द ही संगठनात्मक बदलाव होने की उम्मीद है। सूत्रों के मुताबिक, बातचीत नितिन नवीन की नई टीम के प्रस्तावित गठन पर केंद्रित रही और संगठन में अहम नियुक्तियों की घोषणा अगले कुछ दिनों में होने की संभावना है। एक सूत्र ने कहा कि नितिन नवीन की नई टीम में ज्यादा से ज्यादा नए और युवा चेहरे शामिल होने की उम्मीद है, क्योंकि नितिन नवीन खुद पार्टी के सबसे युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। सूत्रों का कहना है कि बड़े फेरबदल के तहत कई नेताओं को संगठन और सरकार में अलग–अलग भूमिकाओं में भेजा जा सकता है। नई टीम में अलग–अलग जातियों और समुदायों के नेताओं को शामिल करके पार्टी की श्सोशल इंजीनियरिंगश रणनीति की झलक भी देखने को मिल सकती है। अरुण कुमार ने RSS की ओर से बैठक में हिस्सा लिया और चर्चा के विषयों पर संघ का पक्ष रखा। पार्टी सूत्रों के अनुसार, नितिन नवीन के 20–21 जून के आसपास अपनी नई टीम की घोषणा करने की उम्मीद है। सूत्रों ने यह भी संकेत दिया कि संगठनात्मक बदलावों के बाद छक। 3.0 सरकार के दो साल पूरे होने पर केंद्रीय मंत्रिमंडल में फेरबदल हो सकता है। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों ने बताया कि नई व्यवस्था में अनुभवी कार्यकर्ताओं और संगठनात्मक नेताओं को प्राथमिकता दिए जाने की संभावना है। नवीन की सहायता के लिए चुने जाने वाले लोगों से यह उम्मीद की जाएगी कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस विजन के अनुरूप काम करें जिसमें समाज के सभी वर्गों के युवा नेताओं और महिलाओं को अधिक अवसर प्रदान करने पर जोर दिया गया है।

बंगाल में एलओपी पद पर संग्राम

विधानसभा स्पीकर के खिलाफ हाई कोर्ट पहुंचीं ममता बनर्जी

पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी कोलकाता हाई कोर्ट पहुंचीं। अदालत के सूत्रों के अनुसार, ऋतब्रत बनर्जी को विपक्ष का नेता चुने जाने के मुद्दे पर तृणमूल कांग्रेस ने विधानसभा अध्यक्ष के खिलाफ याचिका दायर की है। ममता बनर्जी उसी मामले से संबंधित कार्यवाही के सिलसिले में अदालत पहुंची हैं। गौरतलब है कि इससे पहले भी ममता बनर्जी चुनाव बाद हुई हिंसा से जुड़े एक मामले में वकील के रूप में कोलकाता हाई कोर्ट में पेश हुई थीं और अदालत में अपनी दलीलें रखी थीं। ऋतब्रत बनर्जी के मुताबिक, बागी विधायकों की तादाद 67–68 तक पहुंच सकती है। विधानसभा चुनाव तृणमूल कांग्रेस के कुल 80 विधायक चुनकर आए थे। ऋतब्रत बनर्जी ने सबसे पहले 58 विधायकों के समर्थन वाला पत्र स्पीकर रथिंद्र बोस को सौंपा था, जिसके बाद उनको विपक्ष के नेता के रूप में मान्यता मिल गई थी। बाद में, बताते हैं, तीन अन्य विधायकों ने अलग अलग समर्थन पत्र दिए हैं। कुछ और विधायकों की ओर से भी ऐसे समर्थन पत्र सौंपे जाने का दावा किया जा रहा है। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की हालिया

चुनावी हार के बाद, पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी ने कहा कि टीएमसी सूत्रों के अनुसार, बीजेपी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार को जल्द ही सत्ता से हटा दिया जाएगा। कालीघाट में पार्टी विधायकों के साथ बैठक के दौरान बनर्जी ने कहा कि आने वाले दिनों में दिल्ली में बीजेपी को सत्ता से हटा दिया जाएगा। बैठक में मौजूद टीएमसी महासचिव अभिषेक बनर्जी ने भी इस बात की पुष्टि की कि पार्टी नेतृत्व बीजेपी के खिलाफ अपनी लड़ाई से पीछे नहीं हटेगा, चाहे कुछ भी हो जाए। विधायकों को संबोधित करते हुए अभिषेक बनर्जी ने मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी की आलोचना की और उनकी राजनीतिक ईमानदारी पर सवाल उठाए।

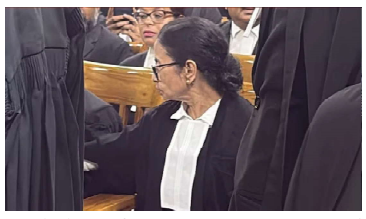

बंगाल में टीएमसी नेता सौमित्र बनर्जी पर अंडा अटैक, कोर्ट ले जाते वक्त लगे चोर के नारे

पश्चिम बंगाल के पश्चिम बर्धमान जिले के रानीगंज शहर में मंगलवार को तृणमूल कांग्रेस के एक और नेता सौमित्र बनर्जी पर अंडे फेंके गए। उन्हें एक बीजेपी नेता की शिकायत पर गिरफ्तार करने के बाद पुलिस कोर्ट ले जा रही थी। मौके के वीडियो में दिख रहा है कि जब बनर्जी को पुलिस की गाड़ी में ले जाया जा रहा था, तो भीड़ उन पर अंडे फेंक रही थी और चोर, चोर, चोर के नारे लगा रही थी। पुलिसकर्मियों ने तुरंत दखल दिया, हालात को काबू में किया और ज्डब् नेता को सुरक्षित कोर्ट पहुँचाया। बीजेपी नेता रवि केशरी की शिकायत पर सौमित्र बनर्जी को गिरफ्तार किया गया। उन पर बीजेपी कार्यकर्ताओं पर हमला करने का आरोप है।

कुणाल घोष पर अंडा फेंका गया

यह घटना ठीक एक दिन बाद हुई जब वरिष्ठ टीएमसी नेता कुणाल घोष को पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी के घर के बाहर इसी तरह निशाना बनाया गया था। जब वह ममता बनर्जी के घर से निकल रहे थे, तो एक स्थानीय युवक ने उन

पर अंडा फेंका। आरोपी, जिसकी पहचान चंदन के तौर पर हुई है, ने बाद में दावा किया कि उसने तृणमूल कांग्रेस से नाराजगी के कारण ऐसा किया। घोष ने बताया कि वह ममता बनर्जी के घर एक बैठक में शामिल होने गए थे और उन्होंने इस घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। घोष ने आरोप लगाया कि उन्हें निशाना बनाने वाले बीजेपी के उपद्रवी थे और उन्होंने अपनी आँख बचा ली, वरना वह खराब हो सकती थी। उन्होंने यह भी कहा कि उस समय पुलिस वहाँ मौजूद थी, लेकिन उसने कोई कदम नहीं उठाया। कुणाल घोष ने कहा, मैं ममता बनर्जी के घर एक मीटिंग में शामिल होने आया था।

Census से टकराव टालने के लिए बीजेपी का दांव!

यूपी , गोवा समेत 4 राज्यों में चुनाव समय से संभव ?

भारतीय जनता पार्टी ने उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड और गोवा में अपनी इकाइयों को चुनाव की तैयारी तेज करने का निर्देश दिया है। सूत्रों ने इस बात की जानकारी दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार ऐसा इसलिए किया जा रहा है क्योंकि संकेत मिल रहे हैं कि इन राज्यों में विधानसभा चुनाव समय से पहले हो सकते हैं, ताकि फरवरी 2027 में होने वाली जनगणना की प्रक्रिया के साथ इनका टकराव न हो। भाजपा मणिपुर पर भी कड़ी नजर रख रही है। यह पाँचवाँ राज्य है जहाँ अगले साल की शुरुआत में बाकी राज्यों के साथ चुनाव होने थे। हालाँकि, राज्य में हिंसा की छिटपुट घटनाओंकृ पहले 2023 में कुकी–मेइतेई संघर्ष और हाल के महीनों में कुकी–नागा संघर्ष

का बढ़नाकृको देखते हुए, यहाँ चुनाव बाद में कराए जा सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक, तय समय से कुछ हफ्ते या महीने पहले चुनाव कराने की संभावना पर चर्चा हो रही है, क्योंकि जनगणना और वोटिंग की प्रक्रिया में शिक्षकों और सरकारी कर्मचारियों समेत कई एक जैसे कर्मचारियों की जरूरत होगी। बीजेपी के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने कहा कि कर्मचारियों की कमी की चिंता के कारण चुनाव वाले राज्यों में चुनाव कार्यक्रम में बदलाव करने पर चर्चा शुरू हुई है। जनगणना का दूसरा चरण, जिसमें आबादी और जाति की गिनती शामिल है, फरवरी 2027 में शुरू होना है। सूत्रों के मुताबिक, चुनाव वाले सभी राज्यों में कोर ग्रुप्स से कहा गया है कि वे अपनी चुनावी तैयारियों में तेजी लाएँ। जहाँ यूपी, गोवा और पंजाब में बीजेपी सूत्रों ने संकेत दिया है कि जनगणना से जुड़ी लॉजिस्टिकल चुनौतियों (क्योंकि दोनों कामों में ज्यादातर एक ही तरह के लोगों की जरूरत होती है) से बचने के लिए चुनाव कुछ हफ्ते पहले कराए जा सकते हैं, वहीं उत्तराखंड बीजेपी चुनाव और भी जल्दी कराने के पक्ष में बताई जा रही है। उत्तर प्रदेश में, जहाँ बीजेपी लगातार तीसरी बार सत्ता में आने की कोशिश कर रही है, पार्टी नेताओं का मानना ध्ध्है कि अगर उम्मीद से पहले भी चुनाव होते हैं, तो संगठन इसके लिए तैयार है। गोवा और पंजाब में भी ऐसी ही तैयारियाँ चल रही हैं, जबकि उत्तराखंड यूनिट चुनाव कार्यक्रम को और ज्यादा जल्दी करने के पक्ष में बताई जा रही है।

फ्रांस पहुंचे पीएम मोदी, जी 7 शिखर सम्मेलन में वैश्विक चुनौतियों पर दुनिया को दिखाएंगे रास्ता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के न्योते पर फ्रांस के एवियन–लेस–बेन्स में हो रहे 52वें जी 7 शिखर सम्मेलन में हिस्सा ले रहे हैं। वे जी 7 देशों और सहयोगी देशों के नेताओं के साथ मिलकर आर्थिक अनिश्चितता, भू–राजनीतिक तनाव, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस गवर्नेंस और सस्टेनेबल डेवलपमेंट जैसी अहम वैश्विक चुनौतियों पर चर्चा करेंगे। शिखर सम्मेलन के व्यापक एजेंडे के बीच, सबकी नजरें बुधवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ मोदी की होने वाली द्विपक्षीय

बैठक पर टिकी हैं, जिसमें दोनों नेताओं के बीच व्यापार, वीजा, ऊर्जा सहयोग और व्यापक रणनीतिक संबंधों पर चर्चा होने की उम्मीद है। जी 7 समिट के लिए प्रधानमंत्री एवियन पहुंचेः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी7 समिट में शामिल होने के लिए फ्रांस के एवियन–लेस–बेन्स पहुंचे। बैठक से पहले उन्होंने कहा दुनिया के नेताओं से बातचीत करने और अहम वैश्विक मुद्दों पर विचार–विमर्श करने का बेसब्री से इंतजार है। भारत एक ज्यादा टिकाऊ और समृद्ध दुनिया के लिए सामूहिक प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। जी 7 समिट के लिए फ्रांस के एवियन पहुंचा। दुनिया के नेताओं से बातचीत करने और अहम वैश्विक मुद्दों पर विचार–विमर्श करने का बेसब्री से इंतजार है। भारत एक ज्यादा टिकाऊ और समृद्ध दुनिया के लिए सामूहिक प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

जिला अस्पताल एवं मेडिकल कॉलेज का डीएम ने किया निरीक्षण, साफ–सफाई और मरीजों की सुविधाओं पर दिया विशेष जोर

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद की डीएम प्रियंका निरंजन ने जिला अस्पताल एवं मेडिकल कॉलेज का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं,व्यवस्थाओं तथा मरीजों को दी जा रही सुविधाओं का जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल परिसर की साफ–सफाई,मरीजों के उपचार, दवा वितरण व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का गहनता से निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान डीएम ने प्राचार्य मेडिकल कॉलेज,मुख्य चिकित्सा अधिकारी तथा मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (सीएमएस) जिला अस्पताल को निर्देशित किया कि अस्पताल एवं मेडिकल कॉलेज परिसर में नियमित रूप से साफ–सफाई सुनिश्चित की जाए।उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य संस्थानों में स्वच्छ वातावरण मरीजों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ के लिए

अत्यंत आवश्यक है, इसलिए परिसर की स्वच्छता एवं साफ–सफाई में किसी प्रकार की लापरवाही कदापि न की जाय।डीएम ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि मेडिकल कॉलेज एवं जिला अस्पताल में उपचार के लिए आने वाले प्रत्येक मरीज को गुणवत्तापूर्ण एवं बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।उन्होंने कहा कि मरीजों एवं उनके परिजनों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े तथा अस्पताल में आने वाले लोगों की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान किया जाए। इसके साथ ही उन्होंने चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों को मरीजों के प्रति संवेदनशील एवं सहयोगात्मक व्यवहार अपनाने के निर्देश दिए।डीएम ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।इसके लिए सभी संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करें।सभी अधिकारियों को अस्पताल की व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ एवं जनहितकारी बनाने के लिए आवश्यक दिशा–निर्देश प्रदान किए गए।निरीक्षण के दौरान प्राचार्य मेडिकल कॉलेज, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संतलाल पटेल,मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (सीएमएस) जिला अस्पताल डॉ. अनिल तिवारी सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मोटर साइकिल से नाले में गिरनें से युवक की मौत

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। रेणुका पार क्षेत्र के ग्राम पंचायत पनारी के टोला खैराही डगडहरा निवासी एक 30 वर्षीय व्यक्ति की मोटर साइकिल से नाले में गिरने से मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। जानकारी के अनुसार 30 वर्षीय मृतक राम बरन पुत्र धवल प्रसाद गोंड निवासी पनारी ग्राम पंचायत के टोला खैराही डगडहरा मंगलवार की सुबह लगभग 6 बजे अपने घर से मोटर साइकिल से ओबरा के लिए निकला था। बीच रास्ते मृतक मोटर साइकिल से गिरकर एक गहरे नाले में चला गया जिससे गंभीर रूप से चोट लगने के कारण घटना स्थल पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची ओबरा पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।

ज्येष्ठ माह के मंगलवार पर रुधौली ग्लोबल हॉस्पिटल में विशाल भंडारे का आयोजन

बस्ती/रुधौली। ज्येष्ठ माह के पावन मंगलवार के अवसर हनुमान चालीसा के सामूहिक पाठ और जयकारों से पूरा क्षेत्र

पर रुधौली ग्लोबल हॉस्पिटल के डायरेक्टर नीतू चौधरी एवं चेयरमैन दिनेश कुमार चौधरी के नेतृत्व में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह विधि–विधान के साथ भगवान हनुमान की पूजा–अर्चना से हुआ। इस दौरान श्रद्धालुओं ने बजरंगबली को सिंदूर, चोला, लड्डू एवं तुलसी अर्पित कर सुख–समृद्धि और जनकल्याण की कामना की। भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो गया। पूजा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और सभी ने श्रद्धा भाव से आराधना में सहभागिता की। पूजा–अर्चना सम्पन्न होने के उपरांत विशाल भंडारे का प्रसाद वितरण प्रारंभ किया गया। भंडारे में क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालुओं, मरीजों के परिजनों तथा स्थानीय लोगों ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। आयोजन स्थल पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली और पूरे कार्यक्रम के दौरान व्यवस्था सुचारु रूप से संचालित होती रही। इस अवसर पर डायरेक्टर नीतू चौधरी एवं चेयरमैन दिनेश कुमार चौधरी ने कहा कि ज्येष्ठ माह के मंगलवार का विशेष धार्मिक महत्व है। समाज में आपसी प्रेम, सद्भाव और सेवा की भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रत्येक वर्ष इस प्रकार के धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।इस आयोजन मे रनवीर चौधरी, रेनू सिंह, गुलाब सिंह, ज्योति चौधरी, विकास शर्मा, नेहा भारती, अंजली शर्मा, निशा, सोनी चौधरी, सत्यराम शर्मा, सरिता देवी, केतन सिंह, रुद्र सिंह, टाइगर चौधरी, पप्पू आदि भक्तो आयोजन मे शामिल रहे। भक्तों ने आयोजन की सराहना करते हुए इसे सामाजिक समरसता और आस्था का प्रतीक बताया।

डीएम द्वारा केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर सीएचसी मेहदावल में आयोजित

दैनिक बुद्ध का संदेश

संत कबीर नगर। जिलाधिकारी आलोक कुमार द्वारा केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर समेकित जन कल्याण एवं जन जागरूकता अभियान के क्रम में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मेहदावल में आयोजित तीन दिवसीय (दिनांक 14 जून से 16 जून 2026 तक) आरोग्य मेला के समापन अवसर पर लगाए गए स्वास्थ्य शिविर का अवलोकन किया गया तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मेहदावल का निरीक्षण भी किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा चिकित्सालय में चिकित्सक एवं दवाओं की उपलब्धता के साथ–साथ मरीज हेतु उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं के बारे में भी जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। आयोजित आरोग्य मेला में पंचायत विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग एवं शिक्षा विभाग द्वारा अंतर्समन्वय करते हुए आरोग्य मेला को सफल बनाया गया। स्वास्थ्य शिविर में लगभग 350 मरीजों के स्वास्थ्य का परीक्षण किया गया तथा आवश्यकतानुसार रक्त जांच, एक्स–रे, अल्ट्रासाउंड आदि की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई। जांच के दौरान मरीजों को आवश्यक दवा का भी वितरण किया गया तथा आरोग्य मेले में आयुष्मान कार्ड एवं एचपीवी वैक्सीन की सेवा भी दी गई।

डीएम द्वारा स्थायी गौ आश्रय स्थल बढ़या ठाठर का किया गया निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

संतकबीर नगर। जिलाधिकारी आलोक कुमार द्वारा जनपद के अंतर्गत स्थायी गौ आश्रय स्थल बढ़या ठाठर, विकास खंड मेहदावल का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय पशुचिकित्साधिकारी डॉ. श्रवण कुमार उपस्थित मिले। गौशाला परिसर में साफ–सफाई की व्यवस्था संतोषजनक पाई गई। निरीक्षण के दौरान पशु आहार लगभग 54 कुंतल उपलब्ध पाया गया तथा भूसा भंडार कक्ष में लगभग 35 कुंतल भूसा पाया गया। जिलाधिकारी द्वारा गौशाला में पशुओं की संख्या के अनुरूप भूसे का पर्याप्त भंडारण सुनिश्चित करने हेतु संबंधित छळट / अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान गौशाला में गोवंश को पानी पीने हेतु मोटर खराब पाए जाने पर जिलाधिकारी द्वारा इसे तत्काल ठीक कराए जाने हेतु संबंधित को निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान गौशाला परिसर में स्थापित गोबर गैस प्लांट वर्तमान में क्रियाशील नहीं पाया गया,

जिस पर जिलाधिकारी ने इसे शीघ्र संचालित कराने के निर्देश दिए। सिक वार्ड में तीन गोवंश उपचाराधीन पाए गए, जिनके संबंध में पशु चिकित्साधिकारी से उपचार एवं देखभाल की जानकारी प्राप्त की गई। जिलाधिकारी ने बीमार गोवंशों के समुचित उपचार एवं नियमित स्वास्थ्य परीक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने गौशाला के समुचित संचालन, पशुओं के बेहतर रखरखाव, पर्याप्त चारा एवं भूसा उपलब्धता तथा सभी व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश प्रदान किए। उन्होंने गौवंशों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु शासन की मंशा के अनुरूप कार्य करने पर बल दिया। निरीक्षण के दौरान उप जिलाधिकारी मेहदावल अरुण कुमार, उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी मेहदावल तथा खंड विकास अधिकारी मेहदावल आदि उपस्थित रहे।

डीएम द्वारा निर्माणाधीन 33/11 के0वी0 विद्युत उपकेन्द्र बढ्या ठाठर का किया गया स्थलीय निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

संत कबीर नगर। जिलाधिकारी आलोक कुमार द्वारा निर्माणाधीन 33/11 के0वी0 विद्युत उपकेन्द्र– बढ्या ठाठर का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में बताया कि उपकेन्द्र का निर्माण कार्य माध्यमिक कार्य खण्ड–बस्ती द्वारा कराया जा रहा है। उपकेन्द्र निर्माण की लागत 634 लाख है। निरीक्षण में पाया गया कि विद्युत उपकेन्द्र निर्माण का सिविल कार्य लगभग पूर्ण कर लिया गया है। पावर परिवर्तक एवं स्विच गियर लगाने का कार्य शेष है। उपकेन्द्र निर्माण का कार्य 7/2026 तक पूर्ण कर लेने का लक्ष्य है। जिलाधिकारी द्वारा उपकेन्द्र निर्माण के कार्य को माह 07/2026 तक पूर्ण कराने हेतु निर्देशित किया गया।

परिवहन विभाग की संयुक्त टीम का अभियान जारी, नियमों के उल्लंघन पर 2 बसें सीज एवं 2 का हुआ चालान

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद में सड़क सुरक्षा एवं परिवहन नियमों के प्रभावी अनुपालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से परिवहन विभाग

की संयुक्त टीम द्वारा विशेष अभियान चलाया गया।अभियान के दौरान विभिन्न मार्गों पर संचालित यात्री बसों की सघन जांच की गई तथा परमिट की शर्तों एवं अन्य परिवहन नियमों के अनुपालन का निरीक्षण किया गया।जांच के दौरान परमिट की शर्तों का उल्लंघन करते हुए संचालित पाई गई 2 बसों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करते हुए उन्हें जब्त (सीज) कर दिया गया। इसके अतिरिक्त विभिन्न अनियमितताओं एवं नियमों के उल्लंघन के मामले में 2 अन्य बसों का चालान भी किया गया। परिवहन विभाग द्वारा की गई इस कार्रवाई से वाहन संचालकों में हड़कंप की स्थिति रही तथा नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक संदेश दिया गया।एआरटीओ (प्रशासन) आर. सी. भारतीय ने बताया कि जनपद में परिवहन व्यवस्था को सुरक्षित एवं व्यवस्थित बनाए रखने के लिए नियमित रूप से प्रवर्तन अभियान चलाए जा रहे हैं।उन्होंने कहा कि यात्री सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा किसी भी वाहन संचालक को नियमों की अनदेखी करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि परमिट की शर्तों का उल्लंघन करने वाले,बिना वैध दस्तावेजों के वाहन संचालित करने वाले अथवा अन्य परिवहन नियमों की अवहेलना करने वाले वाहनों के विरुद्ध आगे भी कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।ऐसे वाहन संचालकों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा।परिवहन विभाग ने सभी वाहन स्वामियों एवं संचालकों से अपील की है कि वे अपने वाहनों के समस्त अभिलेख अद्यतन रखें तथा निर्धारित नियमों एवं परमिट की शर्तों का पूर्णतः पालन करें, जिससे सुरक्षित एवं सुगम यातायात व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके।

सफाई कमह्न की मनमानी से ग्रामीणों में रोष, सफाई न होने से ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

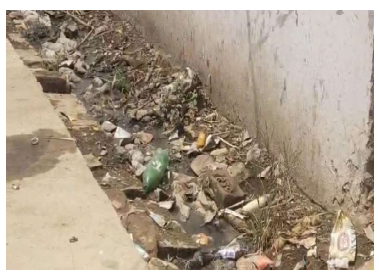

दैनिक बुद्ध का सन्देश

संत कबीरनगर। मेहदावल विकास खंड के अंतर्गत खरवनिया गांव में सफाई व्यवस्था पूरी तरह पटरी से उतर गई है। गांव की गलियों और सड़कों पर गंदगी का अंबार देख ग्रामीणों का धैर्य जवाब दे गया, जिसके बाद ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर विभाग आरोप है कि गांव में तैनात सफाई कर्मी अपनी ड्यूटी के प्रति पूरी तरह लापरवाह है। वह महीने में केवल दो–तीन बार ही गांव में दिखाई देता है और बिना ढंग से साफ–सफाई किए ही वापस चला जाता है।ग्राम प्रधान प्रतिनिधि एडीयो पंचायत दाल सिंगर यादव से सफाई कर्मी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई ।ग्रामीणों ने बताया कि गांव के सार्वजनिक रास्तों और गलियों सफाई न होने से चलना दूभर हो गया है। हैरानी की बात यह है कि सफाई की जिम्मेदारी भी सफाई कर्मी नहीं निभा रहा है। ग्रामीण अपने घरों के सामने की गलियां तो साफ कर लेते हैं, लेकिन उचित निस्तारण न होने के कारण कूड़ा कई दिनों तक सड़कों पर ही पड़ा रहता है, जिससे संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा बना हुआ है। प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों ने शासन–प्रशासन से मांग की है कि गांव में नियमित रूप से सफाई सुनिश्चित कराई जाए।इस संबंध में जब एड़िओ पंचायत दाल सिंगार यादव से बात की गई तो उन्होंने कहा कि मेरे संज्ञान में लाया गया है ऐसे सफाई कर्मियों के खिलाफ जांच कर की जाएगी कार्रवाई।

बड़े मंगल पर श्रद्धा और सेवा का संगम,भंडारे का हुआ आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद में ज्येष्ठ माह के तीसरे बड़े मंगल के पावन अवसर पर शहर के स्वर्ण गंगा ज्वेलर्स निकट भरत मिलाप चौराहे पर श्रद्धा और उत्साह के साथ भव्य भंडारे का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ आयोजक जमुना प्रसाद रस्तोगी एवं हेमलता रस्तोगी द्वारा गठजोड़ के साथ श्री बालाजी महाराज के विधिवत पूजन–अर्चन एवं आरती के उपरान्त भण्डारे का आयोजन किया गया।जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर प्रसाद ग्रहण किया।पूरे आयोजन स्थल पर भक्तिमय वातावरण बना रहा और श्रद्धालुओं ने भगवान श्री बालाजी का आशीर्वाद प्राप्त किया।इस अवसर पर जमुना प्रसाद रस्तोगी,राजू रस्तोगी, संजय रस्तोगी ,अमित सोनी,रवि सोनी ,उमेश शुक्ला जिला मंत्री भाजपा,सोनिया रस्तोगी,मीठी, राशी, उन्नति , वंश रस्तोगी,सम्राट रस्तोगी,ओमी सिंधी,रिशु सिंधी सहित अनेक श्रद्धालु एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे और कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना योगदान दिया।

जन कल्याण शिविर में गिनाईं मोदी सरकार की उपलब्धियां,वितरित किए गए प्रमाण–पत्र व नियुक्ति पत्र

दैनिक बुद्ध का सन्देश

शोहरतगढ़, सिद्धार्थनगर।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विकास खंड शोहरतगढ़ परिसर में आयोजित तीन दिवसीय जन कल्याण कार्यक्रम का मंगलवार को समापन हो गया। समापन समारोह में जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने केंद्र और प्रदेश सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए लाभार्थियों को योजनाओं से जोड़ने पर जोर दिया।मुख्य अतिथि सांसद प्रतिनिधि सूर्य प्रकाश पाण्डेय ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में देश ने विकास, सुशासन और जनकल्याण के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित किए हैं। उन्होंने आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, उज्ज्वला योजना, स्वच्छ भारत मिशन तथा डिजिटल इंडिया जैसी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इनसे समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की पहुंच सुनिश्चित हुई है।

प्रधान संगठन के जिलाध्यक्ष डॉ. पवन मिश्रा ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सिद्धार्थनगर आकांक्षी जनपद

के रूप में तेजी से विकास की ओर अग्रसर है और सरकार जनहित के कार्यों को प्राथमिकता दे रही है।मंडल अध्यक्ष शिवशक्ति शर्मा ने कहा कि जन कल्याण शिविर आमजन और प्रशासन के बीच संवाद का प्रभावी माध्यम बन रहे हैं, जिससे लोगों को एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों की योजनाओं की जानकारी और लाभ मिल रहा है।कार्यक्रम के दौरान गोद भराई कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें गर्भवती महिलाओं को मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य से संबंधित योजनाओं की जानकारी दी गई। वहीं ष्एक पेड़ मां के नामष अभियान के तहत विकास खंड परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। शिविर में समाज कल्याण, स्वास्थ्य, शिक्षा, .षि, पशुपालन, महिला सशक्तिकरण, पूर्ति एवं विकास विभाग सहित विभिन्न विभागों ने स्टॉल लगाकर योजनाओं की जानकारी दी। इस दौरान पात्र लाभार्थियों को प्रमाण–पत्र एवं नियुक्ति पत्र भी वितरित किए गए। खाद्य एवं रसद विभाग तथा बाल विकास परियोजना विभाग की ओर से कई लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया।

कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ सचिव राम सिंह ने किया। इस अवसर पर खंड विकास अधिकारी चंद्रभूषण तिवारी, एडीओ पंचायत संजय पटेल, एपीओ अरुण कुशवाहा, एडीओ समाज कल्याण प्रमोद कुमार, पूर्ति निरीक्षक सतीश चंद, रामस्वरूप गुप्ता, कुंवर कन्नौजिया, अजय भारतीय, निशा श्रीवास्तव, गौरव श्रीवास्तव, संदीप सरोज, कामेश्वर मिश्रा, अरविन्द चौधरी, प्रेम आर्या सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

बहराइच में दो पक्षों में खूनी संघर्ष, महिलाओं समेत कई घायल

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। जनपद के थाना विशेश्वरगंज क्षेत्र अंतर्गत लखनगोण्डा गांव में आपसी विवाद ने मंगलवार को हिंसक रूप ले लिया। विवाद के दौरान दो पक्ष आमने–सामने आ गए और जमकर लाठी–डंडे चले। मारपीट की इस घटना

में महिलाओं समेत कई लोग घायल हो गए, जिनमें कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है।घटना के बाद गांव में अफरा–तफरी और दहशत का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। घायलों को उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा गया है। मोहर्रम से पहले हुई इस घटना को लेकर क्षेत्र में तनाव का माहौल बना हुआ है। पुलिस दोनों पक्षों से पूछताछ कर मामले की जांच में जुटी है तथा शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

सांसद जगदंबिका पाल ने किया जनकल्याण शिविर एवं स्वास्थ्य मेले का उद्घाटन, लाभार्थियों को वितरित किए स्वीकृति पत्र

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 14 से 16 जून 2026 तक जनपद के समस्त विकास खंडों में आयोजित जनकल्याण शिविर एवं स्वास्थ्य मेले के क्रम में मंगलवार को विकास खंड इटवा में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन डुमरियागंज के सांसद जगदंबिका पाल, पूर्व विधायक डॉ. सतीश द्विवेदी तथा जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने फीता काटकर किया। इसके बाद अतिथियों ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन कर योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम की शुरुआत में जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने सांसद जगदंबिका पाल एवं पूर्व विधायक डॉ. सतीश द्विवेदी का बुके भेंट कर स्वागत किया। इस अवसर पर सांसद जगदंबिका पाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने तथा प्रदेश सरकार के जनकल्याणकारी कार्यों के नौ वर्ष पूरे होने के अवसर पर जनकल्याण शिविर एवं स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार की विभिन्न योजनाओं की प्रदर्शनी के माध्यम से लोगों को उनके अधिकारों और सुविधाओं की जानकारी दी जा रही है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि जो पात्र व्यक्ति अब तक योजनाओं के लाभ से वंचित हैं, वे स्टॉलों पर जाकर अपना पंजीकरण कराएं और लाभ प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत जरूरतमंदों को पक्के मकान उपलब्ध कराए जा रहे हैं। आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से पांच लाख रुपये तक का निःशुल्क उपचार, किसान सम्मान निधि योजना के तहत किसानों को प्रतिवर्ष छह हजार रुपये की सहायता तथा 81 करोड़ लोगों को निःशुल्क राशन उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है और विश्व स्तर पर देश का सम्मान बढ़ा है। पूर्व विधायक डॉ. सतीश द्विवेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकास और विश्वास की राजनीति को नई दिशा दी है। उन्होंने कहा कि जनधन योजना के माध्यम से बिना किसी भेदभाव के बैंक खाते खोले गए तथा विभिन्न योजनाओं का लाभ सीधे पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाया गया। आयुष्मान भारत योजना से जरूरतमंद परिवारों को पांच लाख रुपये तक की निःशुल्क चिकित्सा सुविधा मिल रही है और जिनके पास अपना घर नहीं था उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का मकान उपलब्ध कराया गया है। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं आमजन का स्वागत करते हुए कहा कि तीन दिवसीय शिविरों के माध्यम से भारत सरकार एवं प्रदेश सरकार की योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाई जा रही है। उन्होंने लोगों से सभी स्टॉलों का अवलोकन करने तथा आयुष्मान भारत योजना, किसान सम्मान निधि, फार्मर रजिस्ट्री, पेंशन समेत अन्य योजनाओं का लाभ लेने के लिए पंजीकरण कराने की अपील की। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं तथा सभी लोगों को एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण अवश्य करना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों के पात्र लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र वितरित किए गए। गर्भवती महिलाओं की गोद भराई एवं बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार भी संपन्न कराया गया। इस अवसर पर सांसद जगदंबिका पाल, पूर्व विधायक डॉ. सतीश द्विवेदी एवं जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस मौके पर अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रजत कुमार चौरसिया, जिला विकास अधिकारी राजमणि वर्मा, डीसी मनरेगा संदीप सिंह, खंड विकास अधिकारी इटवा मारकंडे पांडे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी, लाभार्थी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

गैरइरादतन हत्या के मामले में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना शोहरतगढ़ पुलिस ने मंगलवार को गैरइरादतन हत्या के मामले में वांछित एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी मयंक द्विवेदी के निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई की। पुलिस ने मुखबिर की सूचना के आधार पर थाना शोहरतगढ़ में पंजीकृत मु0अ0सं0 101/2026, धारा 105, 115(2), 352 बीएनएस से संबंधित वांछित अभियुक्त को सेमरा मोड़ के पास से गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान दुर्गेश निषाद उर्फ गोलू (25 वर्ष) पुत्र रामजियावन उर्फ रामजीवन निवासी वार्ड संख्या–13, बेनीमाधव नगर (नीबी दोहनी), थाना व कस्बा शोहरतगढ़, जनपद सिद्धार्थनगर के रूप में हुई है। पुलिस ने आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करने के बाद अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक संतोष कुमार यादव, मुख्य आरक्षी दिनेश कुमार यादव तथा मुख्य आरक्षी अजय कुमार शामिल रहे।

जनकल्याण शिविर में जिलाधिकारी ने किया लाभार्थियों को जागरूक, योजनाओं का लाभ लेने का दिया संदेश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 14 से 16 जून 2026 तक जनपद के समस्त विकास खंडों में आयोजित जनकल्याण शिविर एवं स्वास्थ्य मेले के क्रम में मंगलवार को विकास खंड खुनियांव में जनकल्याण शिविर एवं स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन पूर्व विधायक इटवा डॉ. सतीश द्विवेदी एवं जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने फीता काटकर किया। इसके बाद अतिथियों ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन कर योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने पूर्व विधायक डॉ. सतीश द्विवेदी का बुके भेंट कर स्वागत किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक डॉ. सतीश द्विवेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर पूरे देश में जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाने के लिए जनकल्याण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने 12 साल विकास और विश्वास का संदेश दिया है और सरकार हर पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि 14 से 16 जून तक सभी विकास खंडों में जनकल्याण शिविर एवं स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया जा रहा है। जिन लोगों को अभी तक किसी योजना का लाभ नहीं मिला है, वे संबंधित विभागों के स्टॉल पर जाकर अपना नाम दर्ज कराएं। पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ प्राथमिकता के आधार पर प्रदान किया जाएगा। डॉ. द्विवेदी ने कहा कि तीन करोड़ नए प्रधानमंत्री आवास उपलब्ध कराने के लिए सर्वेक्षण किया जा रहा है। सौभाग्य योजना के तहत गांवों का विद्युतीकरण किया गया है। आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से पांच लाख रुपये तक निःशुल्क उपचार की सुविधा उपलब्ध है, जबकि पात्र किसानों को किसान सम्मान निधि के तहत प्रतिवर्ष छह हजार रुपये दिए जा रहे हैं। हर घर जल योजना के माध्यम से प्रत्येक घर तक नल से जल पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत गरीब परिवारों की बेटियों का विवाह कराया जा रहा है तथा ग्रामीण क्षेत्रों में 16 से 18 घंटे तक बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने लोगों से स्टॉलों का अवलोकन कर योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों का स्वागत करते हुए कहा कि तीन दिवसीय शिविरों के माध्यम से केंद्र एवं प्रदेश सरकार की योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाई जा रही है। उन्होंने लोगों से आयुष्मान भारत योजना, किसान सम्मान निधि, फार्मर रजिस्ट्री, पेंशन एवं अन्य योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए पंजीकरण कराने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं और सभी लोगों को एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण अवश्य करना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों के लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र वितरित किए गए। गर्भवती महिलाओं की गोद भराई एवं बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार भी कराया गया। पूर्व विधायक डॉ. सतीश द्विवेदी एवं जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी राजमणि वर्मा, खंड विकास अधिकारी खुनियांव, विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी, लाभार्थी तथा बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे।

जनकल्याण शिविर में स्वास्थ्य मेले का आयोजन, विभागों के स्टालों पर लोगों की भारी भीड़ उमड़ी

दैनिक बुद्ध का संदेश

लोटन/सिद्धार्थनगर। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विकास खंड लोटन परिसर में आयोजित जनकल्याण शिविर एवं स्वास्थ्य मेले के तीसरे दिन विभिन्न विभागों के स्टालों पर लोगों की भारी भीड़ उमड़ी। शिविर में आमजन को सरकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ ही स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख आशीष सिंह ने कहा कि ऐसे शिविरों के माध्यम से लोगों को विभिन्न सरकारी योजनाओं और सुविधाओं की जानकारी एक ही स्थान पर मिल रही है, जिसका लाभ आमजन को अवश्य उठाना चाहिए। विशिष्ट अतिथि भाजपा मंडल अध्यक्ष डॉ. संजय कुमार शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार गरीबों, किसानों, महिलाओं और युवाओं के सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है तथा विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अपने–अपने स्टालों के माध्यम से लोगों को योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। वहीं स्वास्थ्य विभाग की टीम ने लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक परामर्श दिया और निःशुल्क दवाओं का वितरण किया। इस अवसर पर ग्राम प्रधान प्रदीप मोदनवाल, सुग्रीम कुमार, फूलचंद कन्नौजिया, बबलू पाण्डेय, गोपाल शुक्ल, संजय निषाद, विनोद मिश्रा, सतीष वर्मा, रामबचन लोधी, आनंद प्रकाश गौड़, अशोक सिंह, विन्देश्वरी चौधरी, पवन पांडेय, भुनेश श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे।

धातु के कंटेनर की तलाश में भटक रहे किसान

दैनिक बुद्ध का संदेश

न देने के निर्देश के बाद किसानों की परेशानी बढ़ गई है। धान की रोपाई का समय नजदीक होने से किसानों को सिंचाई के लिए डीजल की आवश्यकता है, लेकिन बाजार में धातु (पीएसओ मानक) के कंटेनर आसानी से उपलब्ध नहीं हो रहे हैं।क्षेत्र के किसान दुकानों पर धातु के कंटेनर की तलाश में भटक रहे हैं। .षि यंत्र विक्रेताओं और अन्य दुकानों पर भी लोहे के गैलन व कंटेनरों का पर्याप्त स्टॉक नहीं है। किसानों का कहना है कि अब तक प्लास्टिक के गैलनों का ही प्रचलन था, इसलिए अचानक नियम बदलने से समस्या खड़ी हो गई है। धातु के कंटेनर प्लास्टिक की तुलना में महंगे भी हैं, जिससे किसानों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है।पेट्रोल पंप संचालकों का कहना है कि सुरक्षा मानकों के तहत प्लास्टिक के गैलनों में डीजल देना बंद किया गया है। फिलहाल एक–दो लीटर तक डीजल दिया जा रहा है, लेकिन अधिक मात्रा के लिए धातु के कंटेनर अनिवार्य हैं।किसानों ने प्रशासन और संबंधित विभागों से मांग की है कि बाजार में पर्याप्त संख्या में मानक धातु कंटेनर उपलब्ध कराए जाएं, ताकि धान की रोपाई और सिंचाई कार्य प्रभावित न हो। यदि जल्द समाधान नहीं निकला तो आने वाले दिनों में किसानों की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं।

खेसरहा विकासखंड क्षेत्र में लाखों का ओपन जिम बना शो पीस, सुविधाओं के अभाव में युवाओं को नहीं मिल रहा लाभ

दैनिक बुद्ध का संदेश/ शशांक मिश्रा

सिद्धार्थनगर। जिले के खेसरहा विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत टीकुर में लाखों रुपये की लागत से निर्मित ओपन जिम सेंटर बदहाली का शिकार होकर शोपीस बनकर रह गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि युवाओं को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बनाई गई यह योजना धरातल पर पूरी तरह विफल साबित हो रही है। जिम परिसर में पर्याप्त उपकरण नहीं हैं और जो कुछ मशीनें लगाई गई थीं, वे भी रखरखाव के अभाव में खराब हो चुकी हैं।ग्रामीणों का कहना है कि जिम सेंटर में नियमित साफ–सफाई नहीं होने से परिसर में गंदगी फैली रहती है, जिससे यहां आने वाले युवाओं और बच्चों की संख्या लगातार घट रही है। उनका आरोप है कि निर्माण कार्य केवल खानापूर्ति के लिए कराया गया और सुविधाओं के नाम पर लाखों रुपये खर्च कर दिए गए, लेकिन ग्रामीणों को इसका कोई लाभ नहीं मिल रहा है।ग्रामीण गायत्री देवी ने बताया कि सरकार की मंशा अच्छी थी, लेकिन प्रशासनिक लापरवाही के कारण योजना बेकार साबित हो रही है। वहीं इब्राहिम ने कहा कि जिम में कसरत के लिए पर्याप्त संसाधन नहीं हैं जिससे युवा निराश होकर लौट जाते हैं। कन्हैया ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।विवाद बढ़ने पर ग्राम प्रधान अख्तर हुसैन ने कहा कि ओपन जिम की व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द ही निरीक्षण कर कमियों को दूर कराया जाएगा ताकि गांव के युवाओं को योजना का पूरा लाभ मिल सके। ग्रामीण अब उच्च अधिकारियों से मामले की जांच और जिम को सुचारु रूप से संचालित कराने की मांग कर रहे हैं।

ट्रेन से पहले निकलने की होड़ बन सकती है मौत का कारण

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। रेलवे फाटक बंद होने के बावजूद लोग जान जोखिम में डालकर सुरक्षा नियमों की अनदेखी करते हुए रेल पटरी पार करने लगे। इस दौरान वहां मौजूद लोगों ने उसे पार करने से बाज नहीं आ रहे हैं। ऐसा ही एक मामला सोमवार को शोहरतगढ़ रेलवे स्टेशन से सटे समपार फाटक पर देखने को मिला, जहां फाटक बंद होने के बाद भी कई राहगीर और दोपहिया वाहन चालक जल्दबाजी में फाटक के नीचे से निकलते नजर आए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रेन के गुजरने की सूचना पर फाटक बंद कर दिया गया था, लेकिन कुछ लोग कुछ मिनट बचाने की जल्दबाजी में उन्हें रोकने का प्रयास भी किया, लेकिन कई लोगों ने चेतावनी को नजरअंदाज कर दिया। रेलवे और यातायात विशेषज्ञों का कहना है कि ट्रेन की गति और दूरी का सही अनुमान लगाना हमेशा संभव नहीं होता। ऐसे में बंद फाटक पार करना गंभीर दुर्घटना का कारण बन सकता है। रेलवे फाटक यात्रियों की सुरक्षा के लिए बंद किया जाता है, इसलिए लोगों को धैर्य रखते हुए ट्रेन गुजरने तक इंतजार करना चाहिए। स्थानीय लोगों ने रेलवे प्रशासन और संबंधित विभागों से ऐसे स्थानों पर जागरूकता अभियान चलाने तथा सुरक्षा नियमों के पालन को लेकर सख्ती बरतने की मांग की है।

वन विभाग द्वारा बयान दर्ज करने के बाद भी नहीं हुई कार्यवाही।

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सोहास मार्ग के पटनी, महदेवा मार्ग के पटनी जंगल के पास फरवरी माह में गांव के एक व्यक्ति द्वारा सड़क किनारे लगे शीशम के पेड़ को चोरी से काटा जा रहा था। सूचना के आधार पर वन विभाग के वन दरोगा मौके पर पहुंच गए। पेड़ काट रहे शिवपूजन नाम के व्यक्ति पर मुकदमा की बात कह कर डराया गया। फिर एक कागज पर उसका बयान लिया गया। जिसमें बयान कर्ता द्वारा कहा गया है। कि जिस पेड़ को काटा हूं उसका कोई कागजात नहीं है। गलती हुई है।और मैं इसका वैध कागज भी नहीं दिखा सकता। जो कानूनी प्रक्रिया अपनाई जाएगी वह हमे मंजूर है।मुकदमा होता है।तो न्यायालय जो जुर्माना लगाएगी उसका पालन किया जाएगा। लेकिन गांव में इस मामले को लेकर मैनेज की बात कही जा रही है। बयान दर्ज करने वाले का नाम निखिल कुमार श्रीवास्तव लिखा गया है। जिसमें दो गवाह रामप्रकाश,राम दयाल है। फिल हाल अभी तक कोई इस पर कार्यवाही नहीं हुई है। जो विभाग पर सवालिया निशान लगा रहा है। गांव का कोई व्यक्ति इस लिखे गए बयान की कापी को वायरल कर दिया है।जिस पर क्षेत्र के वन रक्षक के कार्यप्रणाली पर संदेह जताया जा रहा है।

सम्पादकीय

देश में कोशिश हो कि उपभोक्ता जागरूकता अभियान को सार्वजनिक स्वास्थ्य नीति का हिस्सा बनाया जाए। इस अभियान में स्कूलों, हेल्थकेयर संस्थानों और विभिन्न मीडिया समूहों को आम लोगों का मार्गदर्शन करना चाहिए कि किसी उत्पाद में दर्ज न्यूट्रिशन लेबल को कैसे समझें। कैसे भ्रमित करने वाले दावों की पड़ताल करें। साथ ही कैसे वे सेहत के अनुकूल उत्पादों के ...

जीवन से खिलवाड़ न कर पाएं घटिया उत्पाद

भारत में सामान्यतरू उत्पादों पर गुणवत्ता व उपयोग–तिथि के दावों के बावजूद उसमें सामान के सेहत से जुड़े सरोकार सवालों के घेरे में रहे हैं। यह आम धारणा बनी हुई है कि कुछ लोग मुनाफे के लिए सामान की एक्सपाइरी डेट दर्ज करने में हेरफेर करने तक से नहीं चूकते। यह भी विश्वास से नहीं कहा जा सकता है कि सामान में शामिल घटकों का विवरण ईमानदारी से लेबल पर दर्ज किया गया हो। गाहे–बगाहे मीडिया व उपभोक्ता अदालतों में ऐसे मामलों की गूंज रहती है। स्वास्थ्य की दृष्टि से संवेदनशील लोगों के जीवन पर सही लेबलिंग से आंच नहीं आ सकती। इसी के मद्देनजर भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण यानी एफ.एस.एस.ए.आई. द्वारा कई खाद्य कंपनियों को गुमराह करने वाले ट्रेड नाम के इस्तेमाल और सेहत से जुड़े दावों के लिए नोटिस जारी करना, निश्चय ही एक स्वागतयोग्य कदम है। अक्सर प्रतिष्ठित उत्पाद वाली कंपनियों के लेबल लगाकर हल्के सामान बेचने के मामले भी उजागर होते हैं। हकीकत है कि आकर्षक पैकेजिंग के जरिये उत्पाद की न्यूट्रिशन से जुड़ी जानकारी को पार्श्व में डाल दिया जाता है। विडंबना यह है कि देश में ऐसा नियामक तंत्र विकसित नहीं हो पाया है जो लगातार जनहित में खाद्य उत्पादों की जांच–पड़ताल कर सके। निश्चित रूप से रेगुलेटरी संस्था की निगरानी सिर्फ कभी–कभार नोटिस जारी करने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। इस तरह की कार्रवाई कुछ समय के लिए तो सुर्खियां बनती हैं लेकिन फिर लोगों को इसकी याद कम ही रह जाती है। इस तरह की पहल को ग्राहकों की सुरक्षा में पारदर्शिता, जवाबदेही और जागरूकता पर आधारित लगातार चलने वाले एक राष्ट्रीय मिशन का रूप दिया जा सकता है। निश्चित रूप से लाखों भारतीयों के लिए खाने की चीजों पर लेबलिंग सेहत से जुड़ा मामला है। मसलन कशेरुक रोग से पीड़ित लोग ग्लूटेन से बचने के लिए लेबलिंग पर लिखी जानकारी पर निर्भर रहते हैं, क्योंकि यह उनकी आंतों को नुकसान पहुंचा सकता है। निस्संदेह, कई एलर्जी व रोगों से जूझने वाले लोगों को कुछ उत्पादों में मौजूद पदार्थों की वजह से लंबे समय तक रहने वाली परेशानियां हो सकती हैं। लेकिन विडंबना यह है कि उत्पादों के लेबल पर आधी–अधूरी, अस्पष्ट जानकारी ही दी जाती है। अक्सर उत्पादों पर हेल्दी, नेचुरल और आयुर्वेद पद्धति पर आधारित जैसे लुभावने शब्दों का इस्तेमाल करके ग्राहकों को भ्रमित किया जाता है, जिससे उपभोक्ता असमंजस की स्थिति में पड़ जाते हैं। मधुमेह, एलर्जी और खानपान से जुड़े दूसरे परहेजों में अस्पष्ट व गलत जानकारी हानिकारक हो सकती है। उत्पादकों की ईमानदारी व उत्पाद की गुणवत्ता को लेकर भरोसा करना ग्राहकों के लिए मुश्किल हो जाता है। जैसे–जैसे भारतीय समाज में पैकेट बंद खाद्य पदार्थों का प्रचलन तेजी से बढ़ा है, देश में एक मजबूत नियामक ढांचे की सख्त आवश्यकता महसूस की जा रही है। दरअसल, देखने में आता है कि छोटे दुकानदार अपने नुकसान को बचाने के लिए उसका बोझ ग्राहकों पर डाल देते हैं। एक प्रतिबद्ध नैतिकता का अभाव इस मुनाफे के कारोबार में अक्सर नजर आता है। निस्संदेह, किसी उत्पाद के पैकेट में उल्लेखित जानकारी ग्राहक के समझने के लिए आसान होनी चाहिए। साथ ही बिना तथ्य व तार्किकता के सेहत से जुड़े दावे करने वाले उत्पादकों की जवाबदेही भी तय की जानी चाहिए। इसके लिये जरूरी है कि समय–समय पर इन उत्पादों की उत्पादन प्रक्रिया की औचक निगरानी व पड़ताल होनी चाहिए। साथ ही बार–बार नियम तोड़ने पर कड़े जुर्माने का प्रावधान भी होना जरूरी है। देश में कोशिश हो कि उपभोक्ता जागरूकता अभियान को सार्वजनिक स्वास्थ्य नीति का हिस्सा बनाया जाए। इस अभियान में स्कूलों, हेल्थकेयर संस्थानों और विभिन्न मीडिया समूहों को आम लोगों का मार्गदर्शन करना चाहिए कि किसी उत्पाद में दर्ज न्यूट्रिशन लेबल को कैसे समझें। कैसे भ्रमित करने वाले दावों की पड़ताल करें। साथ ही कैसे वे सेहत के अनुकूल उत्पादों के विकल्प का चयन कर सकें। निश्चित रूप से एक जागरूक उपभोक्ता ही अनैतिक मार्केटिंग के खिलाफ बचाव की राह दिखा सकता है। खाद्य उत्पाद से जुड़े कारोबारियों को कानून के बजाय नैतिक दायित्वों के निर्वहन से कारोबार में शुचिता को बनाये रखनी चाहिए।

वाकई भाई, असली लीडर कॉकरोच ही है

कॉकरोच ने कहाकृअभी सबसे ज्यादा चर्चा मेरी, सबसे ज्यादा ऑनलाइन फॉलोअर्स मेरे, तो मैं ही बनूंगा विपक्ष का नेता। फिलहाल कोई मेरा बच्चा बदनाम भी नहीं कि लोग उससे नाराज हों। अभी कॉकरोच का उदघ्बोधन सुनाकृ भाइयो और बहनो, मैं कॉकरोच हूं। तीस करोड़ साल से हूं। डायनासोर गए। मुगल गए। ब्रिटिश गए। गठबंधन सरकारें गईं। मैं अभी भी हूं। मेरा चुनावी वादा? कॉकरोच ने कहाकृअभी सबसे ज्यादा चर्चा मेरी, सबसे ज्यादा ऑनलाइन फॉलोअर्स मेरे, तो मैं ही बनूंगा विपक्ष का नेता। फिलहाल कोई मेरा बच्चा बदनाम भी नहीं कि लोग उससे नाराज हों। श्रेयस अय्यर इंडियन टी20 टीम का कप्तान बनने के बाद विराट कोहली से ज्ञान लेने गए। कोहली ने कहा सब से सीखो। पास खड़े कॉकरोच ने कहाकृमुझसे भी। कॉकरोच बोला, देखो मेरे पास पंख हैं, पर मैं उड़ता नहीं। हार्दिक पांड्या के पास भी क्षमता है, पर खेलता नहीं। गेम में सर्वाइवल मुझसे सीखो, तीस करोड़ सालों से चल रहा हूं। कॉकरोच पार्टी के बाद कानून विद जस्टिस काटजू ने इश्क करो पार्टी बनायी है। सूत्रों के मुताबिक अभिनेत्री फन्नी लियोनी गले लगो पार्टी बना रही हैं। इश्क, कॉकरोच, गले लगो यह सब अपनी जगह पर, इन सब में घोटाले कैसे होंगे, जो महत्वपूर्ण राजनीतिक काम हैं। तीसरे इश्क को घोटाला माना जाएगा या पांचवें इश्क को, इस सवाल का जवाब दिया जाना चाहिए। ऐसा लगता है कि सबसे ज्यादा धुरंधर सेफ्टी में नीट के पेपर हैं। आने वाले वक्त में नीट पेपर सेफ्टी को सेफ्टी का हाइएस्ट लेवल माना जायेगा और टॉप नेताओं को नीट सेफ्टी दी जायेगी। वैसे नीट पेपर और नेताओं में कुछ बातें एक–सी हैं। दोनों ही इधर से उधर हो जाते हैं और कई बार बहुत महंगे बिकते हैं। कूल रोल करने वाली आलिया भट्ट आने वाली फिल्म अल्फा में मारधाड़ करेंगी। धुरंधर इफेक्ट है यह। मुझे टेंशन यह है कि नाच गाने वाली फिल्म उमरावजान का आगे रीमेक बने तो, रेखा मशीनगन लेकर डांस करेंगी– दिल चीज क्या है आप मेरी गन भी लीजिए। लगे रहो मुन्नाभाई फिल्म के प्रोफेसर मुन्ना भाई राजनीति समझा रहे हैंकृकेजरीवालजी मोदीजी के खिलाफ हैं पर राहुल गांधीजी के साथ नहीं। राहुल जी बंगाल में ममता बनर्जी के खिलाफ लड़े थे, पर अब दोनों साथ–साथ हैं। मोदी विरोधी पूरा विपक्ष कॉकरोच पार्टी के साथ है, पर किसी असली कॉकरोच को नहीं पता कि वह मोदी के विरुद्ध है।

महिला सुरक्षा, जवाबदेही और न्याय के सवाल

युक्ति कैसे हुई। पूरे प्रकरण को लेकर चर्चा होती रही है कि कहीं यह प्रभावशाली राजनीतिक संरचना से जुड़े दबावों का परिणाम तो नहीं है। सवाल यह भी है कि महिलाओं और बेटियों की सुरक्षा के लिए बनी संवैधानिक संस्थाओं की भूमिका क्या हो ? यह सुनिश्चित कैसे किया जाए कि उनके पदों पर बैठे व्यक्ति स्वयं असुरक्षा का कारण न बनें। विभिन्न मामलों से जुड़े प्रकरण या कुरुक्षेत्र अस्पताल में 15 वर्षीय दलित लड़की ...

ऐसी घटनाओं का सामाजिक माहौल और सुरक्षा व्यवस्था पर गहरा असर पड़ता है। सरकार से अपेक्षा है कि दागी डॉक्टर की पुनर्नियुक्ति की उच्चस्तरीय–निष्पक्ष जांच हो, जिम्मेदार लोगों पर सख्त कार्रवाई की जाए। कुरुक्षेत्र के एलएनजेपी अस्पताल में नाबालिग दलित लड़की के साथ डॉक्टर द्वारा किए गए कथित दुराचार की घटना ने प्रदेश को झकझोर दिया। घटना के तुरंत बाद जनवादी महिला समिति और अन्य सामाजिक संगठनों ने कुरुक्षेत्र समेत विभिन्न जिलों में विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने आरोपी डॉक्टर के खिलाफ कड़ी कार्रवाई, पीड़िता के पुनर्वास तथा राज्य महिला आयोग की जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग की। उल्लेखनीय है कि आरोपी चिकित्सक पर विगत में भी यौन शोषण से जुड़े कई आरोप लगाए जाने की बात कही जाती है। वर्ष 2008 में कुरुक्षेत्र के सिविल अस्पताल में इलाज के लिए आई एक कंप्यूटर साइंस छात्रा के साथ छेड़छाड़ के आरोप लगे थे। अस्पताल प्रशासन द्वारा जांच के लिए एक समिति गठित किए जाने की जानकारी सामने आई थी। हालांकि उस समय उन्हें न तो पद से हटाया गया और न ही स्थानांतरित किया गया। बाद में मामले में कथित रूप से जांच प्रक्रिया और बयान दर्ज होने के आधार पर क्लोजर रिपोर्ट तैयार होने की बात कही गई। इसके अलावा वर्ष 2017 में भी एक दलित महिला द्वारा अस्पताल परिसर में दुराचार का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज कराने और मामला अदालत तक पहुंचने की बात सामने आई। बाद में

दोनों पक्षों के बीच समझौते की स्थिति बनने की बात सामने आई। वर्तमान घटनाक्रम में राज्य महिला आयोग की चेयरपर्सन 6 जून को कुरुक्षेत्र पहुंचीं और पूरे मामले की समीक्षा की। सभी जानते हैं कि नर्सों का कार्य डॉक्टरों की निगरानी करना नहीं, बल्कि मरीजों की सेवा करना है। अस्पताल के भीतर नर्सों को लाइन में खड़ा कर वीडियो रिकॉर्डिंग कराने और कथित रूप से विवादस्पद टिप्पणियां करने को लेकर असंतोष उभरा। नर्सों ने अपने सम्मान और गरिमा से जुड़ी टिप्पणियों पर आपत्ति जताते हुए चेयरपर्सन से इस्तीफे और सार्वजनिक माफी की मांग को लेकर आंदोलन शुरू किया। नर्सों के आंदोलन के बाद जब उन्होंने पद से त्यागपत्र दिया और सार्वजनिक रूप से माफी भी मांगी, तब कथित रूप से आरोपी डॉक्टर और उन्हें संरक्षण देने वाली लॉबी द्वारा सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से नर्सों के खिलाफ अभियान चलाया जाने लगा। ऐसे में यह अभियान यौन हिंसा के आरोपी और उनके समर्थकों को बचाने की रणनीति का हिस्सा बताया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि जनवादी महिला समिति के नेतृत्व में 5 जून को कुरुक्षेत्र में एक बड़ा विरोध प्रदर्शन किया गया। महिला नेतृत्व अस्पताल में पीड़ित बच्ची से भी मिला। उसके बाद ही राज्य महिला आयोग की अध्यक्षा अगले दिन कुरुक्षेत्र पहुंचीं। वहां उनके व्यवहार को लेकर विभिन्न तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आईं, जिन्हें आयोग की गरिमा के अनुरूप नहीं माना गया। आरोप है कि उन्होंने आरोपी के बजाय नर्सिंग स्टाफ पर ही दोष मढ़ने की कोशिश की। सवाल यह है कि चिकित्सक के रूप में कार्यरत उस व्यक्ति पर पहले भी ऐसे गंभीर आरोप लगते रहे हैं, फिर भी सेवानिवृत्ति के बाद उसे दोबारा नियुक्ति कैसे दी गई, इसके लिए जिम्मेदारी किसकी है? यह प्रश्न प्रशासनिक और निर्णय प्रक्रिया की जवाबदेही की ओर संकेत करता है। यह आशंका भी जताई जा रही है कि उच्च स्तर पर किसी प्रभावशाली व्यक्ति के संरक्षण से वह कानून की सख्ती से बचता रहा। ऐसे गंभीर आरोपों के बावजूद उसके खिलाफ प्रभावी दंडात्मक कदम नहीं उठाए गए। महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान के लिए गठित संवैधानिक आयोग की अध्यक्ष होने के बावजूद, यदि सार्वजनिक रूप से नर्सिंग कर्मचारियों के साथ अनुचित व्यवहार और भाषा के प्रयोग के आरोप सामने आते हैं, तो इसे गंभीर आपत्ति के रूप में देखा जाता है। ऐसे मामलों में अपेक्षा की जाती है कि वे अस्पताल के प्रशासनिक कार्यालय में बैठकर औपचारिक तरीके से जानकारी प्राप्त करतीं। साथ ही सरकार से सवाल उठातीं कि संबंधित डॉक्टर की पुनर्नियुक्ति कैसे हुई। पूरे प्रकरण को लेकर चर्चा होती रही है कि कहीं यह प्रभावशाली राजनीतिक संरचना से जुड़े दबावों का परिणाम तो नहीं है। सवाल यह भी है कि महिलाओं और बेटियों की सुरक्षा के लिए बनी संवैधानिक संस्थाओं की भूमिका क्या हो? यह सुनिश्चित कैसे किया जाए कि उनके पदों पर बैठे व्यक्ति स्वयं असुरक्षा का कारण न बनें। विभिन्न मामलों से जुड़े प्रकरण या कुरुक्षेत्र अस्पताल में 15 वर्षीय दलित लड़की के कथित यौन शोषणकृने यह सवाल और गंभीर कर दिया है कि क्या आरोपियों को कहीं न कहीं प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष संरक्षण मिलता रहा है। ऐसी घटनाओं का सामाजिक माहौल और सुरक्षा व्यवस्था पर गहरा असर पड़ता है।

{ मतदाता सूची के पहले से देश में नागरिकता को लेकर बहस चल रही है। हालांकि, एसआईआर नागरिकता की परीक्षा नहीं है, लेकिन इसके मार्फत 'नागरिकता की सीमित जांच' का आधार बना सकता है। नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) लागू होने के बाद से एक वर्ग के मन में संशय हैं। खबरें हैं कि बिहार और बंगाल की नई सरकारों ने घोषणा की है कि मतदाता सूची से जिनके... }

एसआईआर की तार्किकता और विरोध का प्रश्न

हालांकि, एसआईआर नागरिकता की परीक्षा नहीं है, लेकिन इसके मार्फत 'नागरिकता की सीमित जांच' का आधार बना सकता है। नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) लागू होने के बाद से एक वर्ग के मन में संशय हैं। खबरें हैं कि बिहार और बंगाल की नई सरकारों ने घोषणा की है कि मतदाता सूची से जिनके नाम कट गए हैं, उन्हें सरकारी लाभ नहीं मिलेंगे। हाल ही में 'इंडिया' गठबंधन ने पांच–सूत्री प्रस्ताव पारित किया, जिसमें एक यह भी है कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को लेकर भारत के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखा जाएगा। यह गठबंधन 'एसआईआर' को 'वोट चोरी' मानता है। इसके कुछ दिन पहले ही सुप्रीम कोर्ट ने 'एसआईआर' को लेकर चुनाव–आयोग को क्लीन–चिट दी है। प्रश्न है कि ऐसे में पत्र लिखने से मिलेगा क्या? कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का कहना है, हम इसे 'वोट लूट' की कोशिश मानते हैं। भारत में घुसपैठ और नागरिकता रजिस्टर पिछले कई दशकों से बहस में हैं। यह बहस अब मतदाता सूची की बहस के साथ जुड़ गई है। 'एसआईआर' के देश में दो दौर हो चुके हैं और तीसरा शुरू हो गया है। पहला दौर मुख्यतः बिहार–केंद्रित था, जो जून से सितंबर, 2025 तक चला। 27 अक्तूबर से दूसरा दौर शुरू हुआ, जिसमें उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल समेत, नौ राज्य और तीन केंद्र–शासित क्षेत्र शामिल थे। गत 14 मई को निर्वाचन आयोग ने 'एसआईआर' के तीसरे दौर की भी घोषणा कर दी, जिसमें सोलह राज्यों और तीन केंद्रशासित प्रदेशों को कवर किया गया है। इसके पूरा होने के बाद जम्मू–कश्मीर, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश को छोड़कर पूरे देश में यह प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। इसके साथ इस प्रक्रिया को बहस नए सिरे से शुरू होगी, जिसकी अनुगूंज संसद के मॉनसून सत्र में सुनाई पड़ेगी।

शिकायतें पहले दौर के पहले से ही शुरू हो गई थीं, पर पश्चिम बंगाल का विवाद सुप्रीम कोर्ट तक गया। इस दौर में करीब 27 लाख वोटरों ने अपने नाम कटने को चुनौती दी। वे विधानसभा चुनाव में वोट नहीं दे पाए, क्योंकि उनकी सुनवाई के लिए नियुक्त न्यायाधिकरण इस काम को पूरा नहीं कर पाए। यह काम चुनाव परिणाम आने के बाद भी चल ही रहा है। इन 27 लाख में 60 प्रतिशत से ज्यादा वोटरों की सूची में वापसी हो चुकी है और अंतिम समाचार मिलने तक न्यायाधिकरणों की प्रक्रिया जारी है। सवाल है कि उनकी सुनवाई के लिए नागरिक–प्रशासन पर राज्य सरकार ने भरोसा क्यों नहीं किया? चुनाव–आयोग की व्यवस्था है कि 'लॉजिकल डिस्क्रिपेंसी' के कारण कोई नाम 'अनमैप्ड' रह जाए, तो एक सूची में वर्णित दस्तावेजों में से कोई एक देकर अपने नाम को बनाए रखा जा सकता है। पर बंगाल में अविश्वास इतना गहरा था कि उस रास्ते पर जाने के बजाय लंबे रास्ते को अपनाया गया, जिसकी वजह से बड़ी संख्या में लोग वोट नहीं दे पाए। कई तरह के सवाल सभी पक्षों से हैं। आयोग ने सूची के गहन–संशोधन के लिए पर्याप्त समय क्यों नहीं दिया? 2002 और 2003 की मतदाता सूचियों तक पहुंच पाना आसान काम नहीं है। पुरानी सूचियां जिस तरीके से बनाई गई हैं, उनमें नाम, पते और वोटर कार्ड की संख्या खोजना खासा मुश्किल काम है। सामान्य नागरिक कागज–पत्रों के आदी नहीं हैं, उनके लिए यह प्रक्रिया आसान नहीं है। देश की आम जनता दस्तावेजों की अभ्यस्त नहीं है। 'लॉजिकल डिस्क्रिपेंसी' को दूर करने के लिए दस्तावेजों को भी आसान बनाने की जरूरत है। वोटर को पुरानी सूची में अपना नाम खोजने में दिक्कत होती है। उसकी मदद की जानी चाहिए। आयोग की वेबसाइट को सरल बनाने और इस काम को करने वाले बीएलओ को बेहतर तरीके से तैयार करने की जरूरत भी है। विरोधी–दलों ने इसे 'वोट चोरी' साबित करते हुए, राजनीतिक सवाल बनाया। चुनाव–आयोग, उसकी प्रक्रिया और ईवीएम की साख पर लगातार हमले हो रहे हैं। इस बात को उन्हें सुप्रीम कोर्ट में साबित करना होगा। जब उन्हें विजय मिलती है, तब वे सवाल करते, क्यों नहीं करते? दिसंबर में लोकसभा में चुनाव–सुधारों पर हो रही बहस के दौरान एनसीपी की सांसद सुप्रिया सुले ने कहा, 'मैं इसी मशीन से चुनकर आई हूं, इसलिए मैं ईवीएम या वीवीपैट पर सवाल नहीं उठाऊंगी।' सवाल हैं भी, तो उन्हें या तो आयोग और या फिर सुप्रीम कोर्ट में उठाना चाहिए। पर अब तो अदालती फैसलों पर भी संदेह पैदा किया जाता है। कहा जा रहा है कि आयोग को 'एसआईआर' कराने का अधिकार है ही नहीं। फिर मतदाता सूची में संशोधन या सुधार कैसे होगा? सोशल मीडिया के शोर ने स्थितियों को और बिगाड़ा है। सुप्रीम कोर्ट ने अब 27 मई को याचिकाकर्ताओं के ज्यादातर तर्कों को मानने से इनकार कर दिया। वहीं चुनाव–आयोग के तर्कों को स्वीकार किया और उन्हें और स्पष्ट किया। हालांकि यह मामला बिहार में मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के नियम को लागू करने से संबंधित था, लेकिन अदालत में विचारार्थ रखे गए मुद्दे और उसके निष्कर्ष देश भर की मतदाता सूचियों में नाम दर्ज कराने के अधिकार पर दूरगामी प्रभाव डालेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने इस बात पर जोर दिया है कि आयोग का संवैधानिक दायित्व है कि वह स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करे। यह बात भी निर्विवाद है कि जिस मतदाता सूची पर चुनाव आधारित हैं, वह सटीक और विश्वसनीय होनी चाहिए। किसी भी राजनीतिक दल ने, इन सिद्धांतों या मान्यताओं पर सवाल नहीं उठाया है।

डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा बयान– ईरान को नहीं देंगे 300 अरब डॉलर, Peace Deal की खबर फेक न्यूज

अमेरिका और ईरान के बीच महीनों से चल रहा टकराव जब कूटनीतिक समाधान की ओर बढ़ता दिख रहा था, तभी एक नया विवाद खड़ा हो गया है जिससे पूरी प्रक्रिया के बिगड़ने का खतरा पैदा हो गया है। इस विवाद के केंद्र में पुनर्निर्माण से जुड़ा 300 अरब डॉलर का पैकेज है, जिसे ईरान किसी भी स्थायी समझौते का अहम हिस्सा मानता है। तेहरान का कहना है कि अगर उस टकराव को औपचारिक रूप से खत्म करना है तो यह पैकेज जरूरी हैय इस टकराव ने मध्य पूर्व को हिलाकर रख दिया था, ग्लोबल ऑयल मार्केट को बाधित किया था और इस क्षेत्र को एक बड़े युद्ध के खतरनाक कगार पर पहुंचा दिया था। लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से उन खबरों को खारिज कर दिया है जिनमें कहा गया था कि वॉशिंगटन ऐसी फंडिंग करेगा। इससे 19 जून को प्रस्तावित समझौते पर हस्ताक्षर की तारीख से कुछ दिन पहले ही दोनों पक्षों के बीच बड़ा मतभेद पैदा हो गया है।

ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट किया, ईरान कभी भी परमाणु हथियार न रखने पर सहमत हो गया है! साथ ही, यह खबर कि अमेरिका ईरान को 300 मिलियन डॉलर दे रहा है, डेमोक्रेट्सश द्वारा फैलाई गई फेक न्यूज है!!! राष्ट्रपति क्श्रज इस मतभेद ने शांति के पूरे ढांचे के सबसे कमजोर हिस्से को उजागर कर दिया है और यह वह मुद्दा हो सकता है जो दोनों देशों को फिर से टकराव की ओर धकेल सकता है।

आखिर 300 अरब डॉलर का यह पैकेज क्या है?: खबरों में आया यह पैकेज सिर्फ एक आर्थिक आंकड़ा नहीं है। ईरान के लिए, यह आर्थिक गारंटियों का एक बड़ा सेट है, जिसे महीनों की लड़ाई से हुए नुकसान और आर्थिक दबाव से उबरने में देश की मदद करने के लिए तैयार किया गया है। खबरों के अनुसार, ईरानी अधिकारियों ने इस पैकेज को युद्ध से हुए नुकसान के लिए ष्मुआवजेष और लंबे समय तक स्थिरता के लिए एक जरूरी आधार के तौर पर पेश किया है। तेहरान का तर्क है कि ठोस आर्थिक राहत और पुनर्निर्माण में मदद के बिना शांति कायम नहीं रह सकती। ईरान के लिए, इन उपायों को वैकल्पिक फायदों के तौर पर नहीं, बल्कि एक स्थायी समझौते को स्वीकार करने की मुख्य शर्तों के तौर पर देखा जा रहा है।

ट्रम्प का स्पष्ट खंडनः सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वाशिंगटन और तेहरान एक ही मुद्दे को पूरी तरह से अलग–अलग तरीके से पेश कर रहे हैं। ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने किसी भी भुगतान समझौते की खबरों को खारिज करते हुए लिखा कि ईरान ने कभी भी परमाणु हथियार न रखने पर सहमति जताई है और अमेरिका द्वारा ईरान को भुगतान करने के दावों को फर्जी खबर बताया। उनका यह बयान ईरान के इस रुख से सीधा विरोधाभास रखता है कि पुनर्निर्माण पैकेज समझौते का एक अनिवार्य हिस्सा बना हुआ है। इससे एक अहम सवाल अनुत्तरित रह जाता हैरू अगर ईरान मानता है कि आर्थिक गारंटी समझौते का हिस्सा है, और अमेरिकी राष्ट्रपति इस बात पर जोर देते हैं कि ऐसा कोई भुगतान नहीं किया जाएगा, तो आखिर किस बात पर हस्ताक्षर किए जा रहे हैं? इस अनिश्चितता ने इस बारे में नई चिंताएं पैदा कर दी हैं कि क्या दोनों पक्ष अलग–अलग अपेक्षाओं के तहत काम कर रहे हैं।

फीफा वर्ल्ड कप 2024 में 68 साल बाद टूटा रिकॉर्ड! एक ही दिन में 4 धमाकेदार मैच हुए ड्रॉ, फैंस हैरान

द एथलेटिक की रिपोर्ट के मुताबिक, 15 जून 1958 के बाद पहली बार फीफा वर्ल्ड कप में एक ही दिन चार मैच ड्रॉ पर खत्म हुएय ऐसा 68 साल में पहली बार हुआ है। सोमवार को अटलांटा में, पहली बार खेल रही केप वर्डे टीम ने शानदार डिफेंस का प्रदर्शन करते हुए दुनिया की दूसरे नंबर की टीम और मौजूदा यूरोपियन चौंपियन स्पेन को 0–0 से ड्रॉ पर रोक दिया। बाद में, सिएटल में मिस्र और बेल्जियम के बीच मैच 1–1 से ड्रॉ रहा। मिस्र के लिए इमाम अशूर ने शुरुआती गोल किया, लेकिन रोमेलु लुकाकू के मैदान पर आने के कुछ ही देर बाद बेल्जियम ने एक श्ओन गोलश की मदद से बराबरी कर ली।

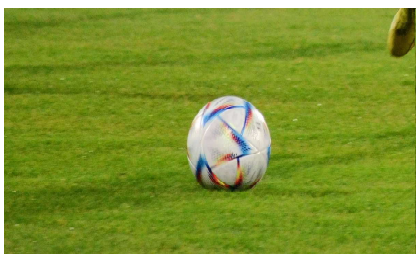

तीसरे मैच में, उरुग्वे और सऊदी अरब के बीच मियामी में खेला गया शुरुआती मुकाबला 1–1 से ड्रॉ रहा। मैक्सिमिलियानो अरौजो ने 80वें मिनट में उरुग्वे के लिए बराबरी का गोल किया, जिससे ग्रुप H में स्पेन, केप वर्डे, उरुग्वे और सऊदी अरब, सभी के खाते में एक–एक अंक हो गया। दिन के आखिरी मुकाबले में, लॉस एंजिल्स के सोफी स्टेडियम में ईरान और न्यूजीलैंड के बीच कड़ा मुकाबला हुआ जो 2–2 से ड्रॉ पर खत्म हुआ। अब ईरान का अगला मुकाबला लॉस एंजिल्स में बेल्जियम से होगा, जबकि रविवार को होने वाले ग्रुप ळ के मैचों में न्यूजीलैंड का सामना वैंकूवर में मिस्र से होगा।

न्यूजीलैंड अपना तीसरा वर्ल्ड कप खेल रहा है, लेकिन सात मैचों के बाद भी उसे कोई जीत नहीं मिली है। ईरान का लक्ष्य पहली बार नॉकआउट राउंड में पहुँचना है। अमेरिका के साथ युद्ध के कारण तनावपूर्ण परिस्थितियों में खेल रहे ईरान ने दो बार पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए न्यूजीलैंड के खिलाफ विश्व कप फुटबॉल के ग्रुप जी का अपना मैच 2–2 से ड्रॉ खेला। राजनीतिक परिस्थितियों के कारण ईरान की टीम विश्व कप के लिए अपेक्षित तैयारी नहीं कर पाई थी लेकिन उसके खिलाड़ियों ने अपना जोश और जज्बा बनाए रखा तथा 64वें मिनट में मोहम्मद मोहेबी के गोल से बराबरी हासिल की। न्यूजीलैंड के लिए एलिजा जस्ट (सातवें और 54वें मिनट) ने दोनों हाफ की शुरुआत में गोल किए, लेकिन ईरान ने दो गोल करके ऑल व्हाइट्स (न्यूजीलैंड की टीम) को विश्व कप इतिहास में अपनी पहली जीत से वंचित रखा।

फीफा वर्ल्ड कपः ईरान ने दो बार पिछड़ने के बाद न्यूजीलैंड से 2-2 का रोमांचक ड्रॉ खेला

सोमवार को लॉस एंजिल्स स्टेडियम में फीफा वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप ळ के अपने पहले मैच में ईरान ने जबरदस्त जज्बा दिखाया। टीम दो बार पिछड़ने के बाद भी वापसी करने में कामयाब रही और न्यूजीलैंड के साथ रोमांचक मुकाबला 2–2 से ड्रॉ कराया। एलिजा जस्ट और मोहम्मद मोहेबी के गोल से यह मुकघबला काफी रोमांचक हो गया था, जिसके बाद श्टीम मेलीश ने कड़ी मेहनत करके एक अहम पॉइंट हासिल किया।

न्यूजीलैंड ने खेल शुरू होने के सिर्फ सात मिनट बाद ही ईरान को चौंका दिया। क्रिस वुड के होल्ड–अप प्ले से मौका बना और एलिजा जस्ट ने कोई गलती नहीं कीय उन्होंने गोल करके कीवी टीम को शुरुआती बढ़त दिला दी, जबकि खेल की शुरुआत में उनके पास गेंद ज्यादा नहीं थी। इस गोल से ईरान की टीम हिल गई, जबकि न्यूजीलैंड का आत्मविश्वास बढ़ गया और वे अपनी बढ़त को और बढ़ाने की कोशिश करने लगे। हाफ के बीच में वुड बढ़त को दोगुना करने के करीब थे, और इंडिया सिंह ने भी ईरानी डिफेंस की परीक्षा ली, क्योंकि ओशिनिया की टीम का खेल पर दबदबा बना हुआ था।

हालांकि, धीरे–धीरे ईरान ने खेल पर फिर से नियंत्रण हासिल कर लिया। मेहदी तारेमी और उनकी टीम ने गेंद पर कब्जा जमाना शुरू कर दिया, जबकि दबाव में न्यूजीलैंड के गोलकीपर मैक्स क्रोकोम्बे को कई मुश्किल पलों का सामना करना पड़ा। आखिरकार 32वें मिनट में बराबरी का गोल हुआ। लगातार दबाव बनाने के बाद, बॉक्स के अंदर एक ढीली गेंद रामिन रेजाईयन के पास आई, जिन्होंने शांति से उसे क्रोकॉम्बे के पार पहुंचाकर स्कोर 1–1 कर दिया।

ईरान को लगा कि उन्होंने पहले हाफ के स्टॉपेज टाइम में मैच पलट दिया है, लेकिन फ्री–किक पर हेडर से किए गए गोल को ऑफसाइड करार दे दिया गया।दूसरे हाफ की शुरुआत बहुत जबरदस्त रही। वुड के साथ शानदार पासिंग मूव के बाद 54वें मिनट में जस्ट ने न्यूजीलैंड की बढ़त फिर से बना दी। नॉटिंघम फॉरेस्ट के स्ट्राइकर के समझदारी भरे लिंक–अप प्ले ने जस्ट को मौका दिया, जिन्होंने शानदार तरीके से अपना दूसरा गोल किया।

कॉम्पिटिटिव एनिमल मेसी फिर मैदान पर,अर्जेंटीना को दूसरी ट्रॉफी की उम्मीद

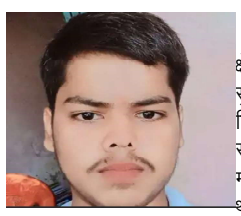

अर्जेंटीना के कोच लियोनेल स्कालोनी और डिफेंडर निकोलस ओटामेंडी ने मंगलवार को अल्जीरिया के खिलाफ होने वाले फीफा वर्ल्ड कप के अपने पहले मैच से पहले टीम में वर्ल्ड कप विजेता स्टार लियोनेल मेसी की अहमियत पर जोर दिया। 2022 में कतर में हुए पिछले वर्ल्ड कप में थ्थ। वर्ल्ड कप का खिताब जीतकर फुटबॉल की दुनिया के शिखर पर पहुंचने वाले मेसी एक बार फिर चर्चा का केंद्र हैं और फुटबॉल प्रेमियों की पसंद बने हुए हैंय यह अनुभवी खिलाड़ी अपने संभावित आखिरी वर्ल्ड कप में लगातार दूसरी बार खिताब जीतने की कोशिश कर रहा है।

मैच से पहले, रॉयटर्स के अनुसार स्कालोनी ने पत्रकारों से कहा कि हर कोई उन्हें मैदान पर देखना चाहता है। स्कालोनी ने कहा कि सिर्फ अर्जेंटीना के लोग ही नहीं, बल्कि हमारा मानना घ्है कि हर कोई उन्हें मैदान पर देखना चाहता है, उन्हें खेलते हुए देखना चाहता है। मेसी 6 जून को होंडुरास के खिलाफ हुए फ्रेंडली मैच में नहीं खेले थे, जिसे मौजूदा चौंपियन ने आसानी से 2–0 से जीता था, लेकिन पिछले हफ्ते आइसलैंड के खिलाफ 3–0 की जीत में वे सब्स्टीट्यूट के तौर पर उतरे और पेनल्टी किक से गोल किया। स्कालोनी ने इस बात की किसी भी चिंता को खारिज कर दिया कि 38 साल के मेसी टीम पर बोझ बन सकते हैंय उन्होंने कहा कि वे हमेशा से टीम के लिए ष्अहमष रहे हैं, भले ही हाल के समय में उन्हें थकान और फिटनेस से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ा हो।

कोच ने कहा कि वह हमेशा से टीम का अहम हिस्सा रहे हैं और हमारे लिए बहुत जरूरी रहे हैं। और अब तो उनकी अहमियत और भी बढ़ गई है। मेसी के लंबे समय से साथी खिलाड़ी ओटामेंडी ने भी उनके साथ बिताए सफर को याद किया। उन्होंने मेसी को इतिहास का सबसे बेहतरीन खिलाड़ी और मुकाबले के लिए हमेशा तैयार रहने वाला खिलाड़ी बताया। डिफेंडर ने कहा कि हमने साथ में कई यादगार पल बिताए हैं।

उन्होंने अपनी बात खत्म करते हुए कहा कि वह एक सादे इंसान हैं जो ट्रेनिंग कैंप और प्रैक्टिस का मजा लेते हैं और उसके लिए खुद को तैयार करते हैं। साथ ही, वह मुकाबले के लिए हमेशा तैयार रहने वाले खिलाड़ी हैं। यह बात आपको भी कोशिश करते रहने और आराम न करने के लिए प्रेरित करती हैय आप उनके साथ बने रहने, उनका साथ देने और उनकी मदद करने की कोशिश करते हैं।

सिद्धार्थनगर में करंट लगने से किशोर की मौत,बरामदे में सफाई करते समय लोहे के पाइप से लगा झटका

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर/बांसी। कोतवाली क्षेत्र के मिठवल गांव में मंगलवार सुबह करंट लगने से एक 16 वर्षीय किशोर की मृत्यु हो गई। इस घटना से परिवार और गांव में शोक का माहौल है।मृतक की पहचान पथरा थाना क्षेत्र के खदरा गांव निवासी गणेश दत्त शुक्ल के 16 वर्षीय पुत्र राजकुमार शुक्ल के रूप में हुई है। गणेश दत्त शुक्ल वर्तमान में मिठवल में रहते हैं। मंगलवार सुबह राजकुमार अपने घर के बरामदे की सफाई कर रहा था।इसी दौरान वह बरामदे में लगे सीमेंट के पटरे में लगाए गए लोहे के पाइप में प्रवाहित हो रहे करंट की चपेट में आ गया। राजकुमार की चीख–पुकार सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे और उसे करंट के प्रभाव से मुक्त कराया।गंभीर हालत में उसे बांसी स्थित 50 शैय्या युक्त संयुक्त चिकित्सालय ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी नाजुक हालत को देखते हुए उसे माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। हालांकि, मेडिकल कॉलेज ले जाते समय रास्ते में ही राजकुमार की मृत्यु हो गई।घटना की सूचना मिलने पर कोतवाली प्रभारी मृत्युंजय पाठक मौके पर पहुंचे। उन्होंने आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

आप की सरकार, आपके द्वार बना जनविश्वास का केंद्र, बड़ी संख्या में पहुंचे ग्रामीण.....

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बस्ती। मंगलवार को केंद्र सरकार के सफल 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे जनसंपर्क एवं जनकल्याण अभियान के अंतर्गत विकासखंड साऊघाट परिसर में ष्आप की सरकार, आपके द्वारष कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रुधौली के पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल शामिल हुए।

इस अवसर पर विभिन्न विभागों द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ ही आम जनता की समस्याओं का निस्तारण भी किया गया।कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के स्टाल लगाकर सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी दी गई तथा पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया। कार्यक्रम के दौरान लोगों ने अपनी समस्याओं एवं शिकायतों को संबंधित अधिकारियों के समक्ष रखा, जिनके समाधान के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए।मुख्य अतिथि पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने पिछले 12 वर्षों में सेवा, सुशासन और जनकल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। सरकार की मंशा है कि आम जनता को योजनाओं का लाभ बिना किसी भेदभाव के सीधे मिले और प्रशासन जनता के द्वार तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशानुसार सभी विभागों के अधिकारी जनहित से जुड़े कार्यों का निस्तारण ब्लॉक मुख्यालय स्तर पर ही सुनिश्चित करें, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने अधिकारियों से जनता की समस्याओं को संवेदनशीलता के साथ सुनकर उनका त्वरित समाधान करने का आह्वान किया।कार्यक्रम के अंत में लाभार्थियों को प्रमाण पत्र एवं स्वी.ति पत्र वितरित किए गए तथा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन–जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया।कार्यक्रम में प्रमुख रूप से बीडीओ मनोज कुमार श्रीवास्तव, मंडल अध्यक्ष कामेंद्र चौहान, सुरेश भट्ट, अतुल यादव, मंडल प्रभारी विजय पांडेय राजू, जिला मंत्री सुरेंद्र चौधरी, दिलीप गुप्ता, सुभाष चौधरी सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिकों, जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों की उपस्थिति रही।

मोदी सरकार के 12 साल बेमिसालरू विधायक विनय वर्मा ने किया जन कल्याण शिविर का उद्घाटन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में बर्डपुर विकास खंड में जन कल्याण शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक विनय वर्मा ने फीता काटकर किया। इस दौरान बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी, जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक विनय वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्ष विश्वास, विकास और जनकल्याण के रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने गरीब, किसान, महिलाओं और युवाओं के उत्थान के लिए अनेक ऐतिहासिक योजनाएं संचालित की हैं, जिनका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।उन्होंने आत्मनिर्भर भारत के संकल्प का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार की नीतियों ने देश को नई दिशा देने का कार्य किया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जनकल्याणकारी प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि डबल इंजन की सरकार आमजन के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।शिविर के दौरान विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रतीकात्मक रूप से स्वी.ति पत्र एवं लाभ प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही लोगों को सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए पात्र लाभार्थियों से उनका लाभ उठाने की अपील की गई।विश्व पर्यावरण दिवस के अंतर्गत चलाए जा रहे प्रधानमंत्री वृक्षारोपण अभियान के तहत विधायक विनय वर्मा एवं उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का आह्वान किया।इस अवसर पर विधायक श्यामधनी राही, मुख्य विकास अधिकारी, खंड विकास अधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति लोगों में उत्साह देखने को मिला।

शिव मंदिर प्राण प्रतिष्ठा का भव्य शुभारंभ 20 से

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बस्ती। स्थानीय बेलवाडांडी मोहल्ले में बरगद के पेड़ के पास नव निर्मित शिव मंदिर प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान नगर भ्रमण, मूर्ति मिलाप, मंडप प्रवेश व वेदी पूजन 20 जून को, वेदी पूजा, जलाधिवास, फलाधिवास व अन्नाधिवास 21 जून को, प्राण प्रतिष्ठा हवन व वेदी पूजन 22 जून को व भंडारा व जागरण का आयोजन 23 जून को किया गया है।श्रद्धालु इसकी तैयारियों में जुटे हैं। आयोजक मंडल के पदाधिकारी आकर्ष श्रीवास्तव ने बताया कि शिव मंदिर बनने से मोहल्ले के श्रद्धालुओं को विशेष सुविधा होगी और वे परिवार के साथ दर्शन लाभ प्राप्त कर सकेंगे। मंदिर में नियमित पूजा अर्चना और देखभाल की व्यवस्था सुनिश्चित की जा चुकी है। उन्होने श्रद्धालुओं से दिन में 11 बजे पहुंचकर पुण्य फल प्राप्त करने का आग्रह किया है। प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम पुरोहित आचार्य जयप्रकाश उपाध्याय के द्वारा सम्पन्न कराया जाएगा। आयुष श्रीवास्तव, अंशुल श्रीवास्तव, अमित श्रीवास्तव कक्कू, पंकज श्रीवास्तव, मुकेश श्रीवास्तव, संजय श्रीवास्तव, सदर ब्लॉक प्रमुख राकेश श्रीवास्तव, सभासद जगदीप श्रीवास्तव बुल्लाहे सहित अन्य मोहल्लेवासियों का सराहनीय योगदान रहा है।

बढ़नी जनकल्याण शिविर का सांसद जगदंबिका पाल ने किया शुभारंभ

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 14 से 16 जून 2026 तक जनपद के समस्त विकास खंडों में आयोजित जनकल्याण शिविर एवं स्वास्थ्य मेले के क्रम में मंगलवार को विकास खंड बढ़नी में जनकल्याण शिविर एवं स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ डुमरियागंज सांसद जगदंबिका पाल, शोहरतगढ़ विधायक विनय वर्मा एवं जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने फीता काटकर तथा दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इसके बाद अतिथियों ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन कर योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने सांसद जगदंबिका पाल एवं विधायक विनय वर्मा का बुके भेंट कर स्वागत किया। सांसद जगदंबिका पाल ने कहा कि

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने तथा प्रदेश सरकार के जनकल्याणकारी कार्यों के नौ वर्ष पूरे होने के अवसर पर जनकल्याण शिविर एवं स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि तीन दिवसीय शिविर के माध्यम से आमजन को विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी जा रही है और पात्र लाभार्थियों को योजनाओं से जोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत जरूरतमंदों को पक्के मकान उपलब्ध कराए जा रहे हैं तथा तीन करोड़ नए आवासों के लिए सर्वेक्षण का कार्य भी चल रहा है। आयुष्मान भारत योजना के तहत पांच लाख रुपये तक के निःशुल्क उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। किसान सम्मान निधि योजना के माध्यम से किसानों को प्रतिवर्ष छह हजार रुपये दिए जा रहे हैं तथा 81 करोड़ लोगों को निःशुल्क राशन उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ष्सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयासष के संकल्प के साथ सरकार कार्य कर रही है और भारत आत्मनिर्भर एवं विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। विधायक विनय वर्मा ने कहा कि केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के सभी वर्गों को साथ लेकर विकास की नई दिशा दी है और जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक सुविधाएं पहुंचाई जा रही हैं। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों का स्वागत करते हुए कहा कि तीन दिनों से विकास खंड स्तर पर लगाए गए इन शिविरों के माध्यम से केंद्र एवं प्रदेश सरकार की योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाई जा रही है। उन्होंने लोगों से सभी स्टॉलों का अवलोकन करने तथा आयुष्मान भारत योजना, किसान सम्मान निधि, फार्मर रजिस्ट्री, पेंशन सहित अन्य योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए पंजीकरण कराने की अपील की। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं तथा ष्एक पेड़ मां के नामष अभियान के तहत सभी लोगों को पौधरोपण करना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों के लाभार्थियों को स्वी.ति पत्र वितरित किए गए। गर्भवती महिलाओं की गोद भराई एवं बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार भी संपन्न कराया गया। इस अवसर पर सांसद जगदंबिका पाल, विधायक विनय वर्मा एवं जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रजत कुमार चौरसिया, डीसी मनरेगा संदीप सिंह, जिला पूर्ति अधिकारी देवेंद्र प्रताप सिंह, खंड विकास अधिकारी बढ़नी अनीस मणि सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी, लाभार्थी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

खुनियाँव ब्लॉक में तीन दिवसीय जनकल्याण शिविर एवं स्वास्थ्य मेला संपन्न, योजनाओं की दी गई जानकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। केंद्र सरकार के सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर खुनियाँव ब्लॉक सभागार में आयोजित तीन दिवसीय जनकल्याण शिविर एवं स्वास्थ्य मेले का मंगलवार को समापन हो गया। 14 से 16 जून तक चले इस शिविर का उद्देश्य आमजन को केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देकर उन्हें योजनाओं से जोड़ना रहा।कार्यक्रम का उद्घाटन पूर्व विधायक इटवा डॉ. सतीश द्विवेदी एवं जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने फीता काटकर किया। उद्घाटन के बाद दोनों ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन कर वहां उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं और योजनाओं की जानकारी ली।

इस दौरान जिलाधिकारी ने पूर्व विधायक का बुके भेंट कर स्वागत किया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक डॉ. सतीश द्विवेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र सरकार समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत योजना, किसान सम्मान निधि, हर घर जल योजना, सौभाग्य योजना और मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना सहित विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी देते हुए पात्र लोगों से इनका लाभ लेने की अपील की।जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों का स्वागत करते हुए कहा कि इस तीन दिवसीय शिविर के माध्यम से विभिन्न विभागों की योजनाओं की जानकारी एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने लोगों से संबंधित विभागों के स्टॉलों पर पहुंचकर पंजीकरण कराने तथा पात्रता के अनुसार योजनाओं का लाभ उठाने का आग्रह किया। उन्होंने स्वयं सहायता समूहों के कार्यों की सराहना करते हुए ष्एक पेड़ मां के नामष अभियान के तहत पौधरोपण करने का आह्वान भी किया।शिविर के दौरान विभिन्न विभागों के लाभार्थियों को स्वी.ति पत्र वितरित किए गए। साथ ही गर्भवती महिलाओं की गोद भराई एवं बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार भी संपन्न कराया गया। पूर्व विधायक डॉ. सतीश द्विवेदी और जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।इस अवसर पर अतिरिक्त जिला विकास अधिकारी राजमणि वर्मा, खंड विकास अधिकारी खुनियाँव सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में लाभार्थी उपस्थित रहे।

पशु शेड निर्माण में अनियमितता का आरोप, आरटीआई के जरिए उठाया गया मामला

दैनिक बुद्ध का संदेश/शशांक मिश्रा

खेसरहा (सिद्धार्थनगर)। विकास खंड खेसरहा की ग्राम पंचायत फरीदाबाद में लोक कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। आरटीआई के माध्यम से प्राप्त जानकारी के आधार पर ग्राम पंचायत में पशु शेड निर्माण कार्य में अनियमितता और धन के दुरुपयोग का आरोप लगाया गया है।शिकायतकर्ताओं के अनुसार पशु शेड निर्माण के लिए शासन स्तर से लाभार्थियों को लगभग 75 हजार रुपये से लेकर 1.60 लाख रुपये तक की धनराशि उपलब्ध कराई जाती है। आरोप है कि कुछ माह पूर्व ग्राम पंचायत में जिन पशु शेडों का निर्माण दर्शाया गया था, उनमें से कई निर्माण कार्य मौके पर अधूरे या मानकों के विपरीत पाए गए हैं। बताया जा रहा है कि कुछ पशु शेडों में सीमेंट की चादर (पत्रा) तक मौजूद नहीं है, जबकि सरकारी अभिलेखों में निर्माण कार्य पूर्ण दिखाकर भुगतान भी कर दिया गया है।इस मामले को लेकर आजाद अधिकार सेना के जिलाध्यक्ष उपेन्द्र चतुर्वेदी ने पशु शेड निर्माण कार्य में धांधली का आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। उनका कहना है कि यदि अभिलेखों और जमीनी हकीकत का मिलान किया जाए तो बड़े स्तर पर अनियमितता सामने आ सकती है।वहीं ग्रामीणों का भी कहना है कि मामले की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए ताकि वास्तविक स्थिति सामने आ सके और दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई हो। फिलहाल संबंधित अधिकारियों की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। जांच होने के बाद ही आरोपों की पुष्टि हो सकेगी।

मुआवजा से पहले मकान खाली करने का नोटिस, परिवारों में बढ़ी चिंता

दैनिक बुद्ध का संदेष

खेसरहा। खेसरहा क्षेत्र के भलूहा गांव से होकर गुजर रहे खलीलाबाद–बलरामपुर रेल मार्ग निर्माण कार्य के बीच आने वाले दो मकानों के मालिकों को रेलवे विभाग ने एक सप्ताह के भीतर मकान खाली करने का नोटिस जारी किया है। नोटिस मिलते ही प्रभावित परिवारों में चिंता और असमंजस की स्थिति पैदा हो गई है।

रेलवे विभाग की ओर से जारी नोटिस में मकान मालिकों को निर्धारित समय सीमा में घर खाली करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही यह भी कहा गया है कि समय पर मकान खाली नहीं करने पर भवन को हटाने की कार्रवाई की जा सकती है। हालांकि प्रभावित परिवारों का कहना है कि उन्हें अभी तक भवन का मुआवजा नहीं मिला है, जबकि नोटिस में मुआवजा दिए जाने की बात कही गई है।गांव निवासी गणेश, जगराम, राकेश और स्वर्गीय महात्मा के परिवार का मकान प्रस्तावित रेल मार्ग की जद में आ रहा है। प्रभावित लोगों का आरोप है कि भूमि का मुआवजा तो कुछ लोगों को मिल चुका है, लेकिन मकान का भुगतान अब तक नहीं हुआ है।

ऐसे में अचानक घर खाली करने का नोटिस मिलने से परिवारों के सामने आवास का संकट खड़ा हो गया है।गणेश ने बताया कि बरसात का मौसम शुरू होने वाला है। ऐसे समय में घर टूट जाने पर परिवार के रहने की गंभीर समस्या उत्पन्न हो जाएगी। वहीं पुष्पा देवी ने कहा कि बिना मुआवजा मिले घर छोड़ना उनके लिए संभव नहीं है और नोटिस मिलने से पूरा परिवार परेशान है।इस मामले में प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि आवश्यक दस्तावेज जमा होते ही मुआवजे की प्रक्रिया पूरी कर दी जाएगी। साथ ही आश्वासन दिया गया है कि मुआवजा भुगतान से पहले प्रभावित परिवारों के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। रेलवे परियोजना के चलते प्रभावित परिवार अब जल्द समाधान की मांग कर रहे हैं।

बसपा के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष रमेश कुमार गौतम का कार्यकर्ताओं ने किया भव्य स्वागत

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बांसी, सिद्धार्थनगर।बहुजन समाज पार्टी के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष रमेश कुमार गौतम का बांसी विधानसभा क्षेत्र के दर्जनों गांवों में कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। इस दौरान जगह–जगह फूल–मालाओं से उनका अभिनंदन किया गया तथा कार्यकर्ताओं ने संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया।कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष रमेश कुमार गौतम ने कहा कि बसपा सामाजिक न्याय, सर्वजन हिताय और सर्वजन सुखाय की विचारधारा पर कार्य करने वाली पार्टी है। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती ही पार्टी की सबसे बड़ी ताकत है। आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने तथा पार्टी की नीतियों और बहुजन महापुरुषों के विचारों को जन–जन तक पहुंचाने की जिम्मेदारी निभानी होगी। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं के सहयोग और समर्पण से जिले में संगठन को नई मजबूती मिलेगी तथा पार्टी को और अधिक सशक्त बनाया जाएगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आपसी एकता बनाए रखते हुए संगठन विस्तार में जुटने का आह्वान किया।इस अवसर पर आशीष कुमार गौतम (पूर्व जिला प्रभारी), भारत लाल निषाद (पूर्व जिलाध्यक्ष), चंद्र बहाल गौतम (पूर्व विधानसभा अध्यक्ष), गिरीश चंद्र वरुण (पूर्व विधानसभा प्रभारी), सुग्रीव (पूर्व विधानसभा सचिव), रामविलास, सुभाष टाइगर, बजरंगी गौतम, रामनिवास (पूर्व जिला महासचिव), राम बहादुर, राकेश गौतम (पूर्व विधानसभा अध्यक्ष), महेंद्र वरुण (विधानसभा महासचिव) सहित सैकड़ों कार्यकर्ता एवं समर्थक उपस्थित रहे।

ज्येष्ठ मास के बड़े मंगलवार पर किया गया भव्य आयोजन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बांसी। मंगलवार 16मई को बड़े मंगलवार के 08 वें मंगलवार को बांसी बस अड्डे पर प्रसाद वितरण का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। सामाजिक कार्यकर्ता राजेश गुप्ता के गुप्ता कन्फेंशरी पर आयोजित कार्यक्रम में प्रसाद वितरण कार्यक्रम शाम को प्रारंभ किया गया।इस दौरान सुंदर कांड पाठ का आयोजन भी किया गया जिसमें गायकों द्वारा अच्छी प्रस्तुति दी गई। इससे पूर्व हनुमान जी के चित्र पर माल्यार्पण कर सभी के लिए मंगलकामना किया गया।उल्लेखनीय है कि बड़ा मंगलवार (या बुढ़वा मंगल) हिंदू कैलेंडर के ज्येष्ठ (जेठ) महीने के सभी मंगलवारों को मनाया जाने वाला एक विशेष पर्व है।, जो मुख्य रूप से हनुमान जी को समर्पित है। मान्यता है कि इसी महीने के मंगलवार को हनुमान जी की पहली भेंट भगवान राम से हुई थी, जिसके उपलक्ष्य में यह पवित्र दिन मनाया जाता है। इस दौरान धर्मेंद्र कुमार, प्रमोद कुमार हिंदू,राम शरन मौर्य,राधे, भोला पाठक,घनश्याम जायसवाल,बच्चा अग्रहरि, विंध्याचल चौरसिया के अलावा अन्य महत्वपूर्ण लोग उपस्थित रहे।इस विषय में सामाजिक कार्यकर्ता व आयोजक राजेश गुप्ता (गुड्डू) ने कहा कि हनुमान जी को अजर अमर गुननिधि सुत होई के माध्यम से जगज्जननी मां सीता जी ने आशिर्वाद दे दिया है। अमरता को प्राप्त हुए हनुमान जी के बड़े मंगलवार का आयोजन करना बड़ी प्रसन्नता की बात है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने खासकर महिलाओं और बच्चियों की उपस्थित रहकर प्रसाद ग्रहण किया।

मायके में विवाहिता ने फांसी लगाकर दी जान, पुलिस जांच में जुटी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर जनपद के भवानीगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत जुड़वनिया के ढढुआ टोला में बीती शाम एक विवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही भवानीगंज पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।मृतका की पहचान राजमन की 22 वर्षीय पुत्री खुशबू के रूप में हुई है। बताया गया कि खुशबू की शादी 29 अप्रैल 2024 को थाना क्षेत्र के नगर पंचायत बढ़नी चाफा डाल डीह निवासी पंकज पुत्र दशरथ के साथ हुई थी। वह पिछले लगभग छह माह से अपने मायके में रह रही थी।परिजनों के अनुसार रविवार शाम करीब सात बजे जब घर के सदस्य बाहर से वापस लौटे तो उन्होंने देखा कि कमरे का दरवाजा बंद था। काफी देर तक आवाज देने और दरवाजा खुलवाने का प्रयास करने के बावजूद अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। इसके बाद परिजनों ने दरवाजा तोड़ दिया। कमरे के भीतर खुशबू फांसी के फंदे से लटकी मिली। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया।सूचना मिलने पर भवानीगंज पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।इंचार्ज थानाध्यक्ष भवानीगंज राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि इस मामले में तहरीर प्राप्त हुई है, लेकिन तहरीर में किसी भी व्यक्ति पर कोई आरोप नहीं लगाया गया है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है तथा पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

स्कूल खुला, साफ–सफाई के साथ शिक्षण कार्य शुरू

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार, सिद्धार्थनगर।गर्मी की छुट्टियां खत्म होने के बाद मंगलवार से बेसिक शिक्षा परिषद द्वारा संचालित सभी सरकारी और निजी स्कूल फिर से सुचारू रूप से खुल गए हैं।विद्यालयों में टीचर समय से पहुंचकर साफ सफाई कराए। कम्पोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय तिवारी डीह के शिक्षक हरिशंकर सिंह ने बताया कि विभाग के उच्च अधिकारियों के निर्देश के अनुसार मंगलवार को शिक्षण कक्षाओं एवं परिसर का साफ सफाई हुआ। तत्पश्चात बच्चों का आगमन शुरू हुआ। गर्मी की लंबी छुट्टी के बाद स्कूल आये बच्चों का स्वागत किया गया। बच्चों ने प्रार्थना किया इसके बाद शिक्षण कार्य शुरू हुआ। इसी क्रम में उसका बाजार कस्बा एवं ग्रामीण क्षेत्र में स्थित राजकीय मान्यता प्राप्त स्कूल खुल गये। निजी विद्यालयों के वाहन मंगलवार को जगह जगह दिखाई दिए। और बच्चे स्कूल जाते दिखाई दिए।

सातवें बड़े मंगल पर श्री हनुमान मंदिर में गूंजा सुंदरकांड पाठ, धर्मराज वर्मा ने बांटा प्रसाद

दैनिक बुद्ध का संदेश

बढ़नी चाफा। ज्येष्ठ माह के सातवें बड़े मंगलवार के अवसर पर नगर पंचायत बढ़नी चाफा बाजार स्थित हनुमान चौक के श्री हनुमान मंदिर में श्रद्धा और भक्ति के साथ सामूहिक सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। देर रात तक चले इस धार्मिक कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर भगवान श्रीराम और बजरंगबली का गुणगान किया।सुंदरकांड पाठ की पूर्णाहुति के उपरांत बद्री विशाल गुप्ता एवं उनके परिवार के नेतृत्व में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे में नगर एवं आसपास के क्षेत्रों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित किया।

मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण के बीच श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी रही।इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष धर्मराज वर्मा श्री हनुमान मंदिर पहुंचे और भगवान श्री हनुमान जी के श्रीचरणों में श्रद्धा सुमन अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके बाद उन्होंने भंडारे में शामिल होकर श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया तथा सेवा कार्यों में सहभागिता निभाई।धर्मराज वर्मा ने कहा कि बड़े मंगल के अवसर पर आयोजित ऐसे धार्मिक कार्यक्रम समाज में आस्था, सेवा और आपसी सद्भाव का संदेश देते हैं। उन्होंने सफल आयोजन के लिए आयोजन समिति, बद्री विशाल गुप्ता एवं उनके परिवार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए सभी श्रद्धालुओं के सुख–समृद्धि की कामना की।कार्यक्रम के दौरान मंदिर परिसर में उत्साहपूर्ण और भक्तिमय माहौल बना रहा। श्रद्धालुओं ने पूरे श्रद्धाभाव से सुंदरकांड पाठ में भाग लिया और भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया।इस अवसर पर प्रमोद गौतम, जुग्गीलाल पासवान, विवेक श्रीवास्तव, मनीष श्रीवास्तव, अजय वर्मा, संतोष वर्मा, सुनील यादव, कुंवर साहब उपाध्याय, जुग्गीलाल चौहान, राजू वर्मा, शिवकुमार गुप्ता, वीरेंद्र दुबे, शिवप्रसाद गुप्ता, मनोहर गौतम, धर्मराज यादव सहित अनेक श्रद्धालु एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

धारदार हथियार से जख्मी हुई महिला की समय पर उपचार और बेहतर पेशेंट केयर से मिली नई जिंदगी

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश सरकार की 108 एंबुलेंस सेवा एक बार फिर संकट की घड़ी में जीवन रक्षक साबित हुई। बाशी ब्लॉक के सागवा गांव निवासी सरिता (45 वर्ष), पत्नी रामू, घर में चार्जिंग पर लगे ग्लैंडर को जैसे ही बोर्ड से निकालने गई अचानक वह उसके सर पर गिरा जिससे मुंह और सर पर गंभीर गहरे जख्म आए जिससे काफी खून निकलने लगा ,शरीर से काफी खून बहने की वजह से उसकी हालत तेजी से बिगड़ने लगी। हालत बिगड़ते देख परिवार के लोगों ने 108 पर सूचना दी, इमर्जेसी की सूचना सीएचसी इटवा की गाड़ी न्च 32थ्ळ 1474 को मिली जो जिला अस्पताल से मरीज को छोड़कर वापस आ रही थी। ईएमटी दिनेश और पायलट तीर्थराज ने 7 किलोमीटर मात्र 13 मिनट में कवर करके बताए गये स्थान पर पहुंचे, घटना स्थल पर ईएमटी ने बड़ी फुर्ती से मरीज को स्ट्रेचर की सहायता से एंबुलेंस में लिया और गहरे जख्म बड़ी पट्टीयो के सहायता से बहते खून को रोका। उसे तत्काल निजी साधन से 50 सैयायुक्त अस्पताल बंशी लेकर पहुंचे, रास्ते में ऑनलाइन डॉक्टर शैलेंद्र की सुपरविजन में अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद तत्काल जिला अस्पताल सिद्धार्थ नगर रेफर कर दिया। मरीज की नाजुक हालत को देखते हुए घरवालों ने तुरंत 108 एंबुलेंस सेवा की मदद ली।

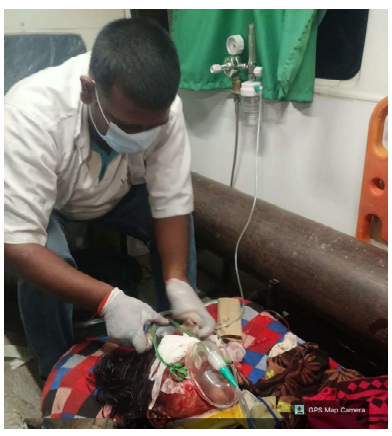

सूचना मिलते ही एंबुलेंस पर तैनात ईएमटी एवं पायलट बिना समय गंवाए अस्पताल पहुंचे और मरीज को सुरक्षित एंबुलेंस में शिट कर जिला अस्पताल के लिए रवाना हुए। रास्ते में महिला की हालत सूचना और गंभीर होने लगी। ऐसी चुनौतीपूर्ण परिस्थिति में ईएमटी ने घबराने के बजाय अपने ट्रेनर आलोक त्रिपाठी से भी मदद ली और अनुभव का परिचय दिया। उन्होंने तुरंत आरसीपी चिकित्सक डॉ. शैलेन्द्र से संपर्क कर आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श प्राप्त किया तथा उनके दिशा–निर्देशों के अनुरूप मरीज को लगातार प्राथमिक उपचार और निगरानी प्रदान की। ईएमटी की तत्परता, तकनीकी दक्षता और बेहतर पेशेंट केयर के चलते मरीज को सुरक्षित जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उपचार शुरू करते हुए उसे खतरे से बाहर बताया। क्लस्टर प्रशिक्षण का दिखा सकारात्मक परिणामः हाल ही में संचालित क्लस्टर आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम का लाभ इस घटना में स्पष्ट रूप से दिखाई दिया।

प्रशिक्षण के दौरान आपातकालीन परिस्थितियों में मरीज की स्थिति का आकलन, त्वरित निर्णय क्षमता, विषाक्तता (च्वपेवदपदह) के मामलों का प्रबंधन एवं अस्पताल पहुंचने तक जीवन रक्षक देखभाल जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेष जोर दिया गया था। ईएमटी जय सिंह यादव द्वारा प्रदर्शित दक्षता और पेशेवर कार्यशैली इस प्रशिक्षण की सफलता को दर्शाती है। परिजनों और अस्पताल स्टाफ ने की सराहनाः मरीज के परिजनों और अस्पताल कर्मियों ने 108 एंबुलेंस सेवा तथा ईएमटी दिनेश की सराहना करते हुए कहा कि यदि समय पर एंबुलेंस और प्रशिक्षित चिकित्सा कर्मी नहीं मिलते तो स्थिति और गंभीर हो सकती थी। जीवन रक्षक बनी 108 एंबुलेंस सेवाः उत्तर प्रदेश सरकार की 108 एंबुलेंस सेवा प्रदेशवासियों को चौबीसों घंटे निःशुल्क आपातकालीन चिकित्सा सहायता उपलब्ध करा रही है। दुर्घटना, गंभीर बीमारी, विषाक्तता, गर्भवती महिलाओं एवं अन्य आपातकालीन परिस्थितियों में यह सेवा लोगों तक समय पर चिकित्सा सहायता पहुंचाकर अनगिनत जीवन बचाने का कार्य कर रही है। यह घटना न केवल 108 एंबुलेंस सेवा की उपयोगिता को दर्शाती है, बल्कि यह भी साबित करती है कि प्रशिक्षित ईएमटी और समय पर मिली आपातकालीन चिकित्सा सहायता किसी भी मरीज के लिए जीवन और मृत्यु के बीच का अंतर साबित हो सकती है

महिला सुरक्षा, सशक्तिकरण एवं साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सोनभद्र पुलिस द्वारा मिशन शक्ति 5.0 के दूसरे चरण के अंतर्गत जनपद में व्यापक एवं प्रभावी जनजागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है।पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के कुशल निर्देशन में जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर समाज के सभी वर्गों को जागरूक किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत महिलाओं एवं बच्चों से संबंधित प्रमुख सामाजिक विषयों.जैसे लिंगानुपात, लैंगिक समानता, बाल विवाह, लैंगिक शोषण, महिलाओं एवं बच्चों के प्रति होने वाली हिंसा, साक्षरता एवं स्वास्थ्य.पर विशेष रूप से प्रकाश डालते हुए जनमानस को जागरूक किया गया।इस क्रम में जनपद के समस्त थानों की मिशन शक्ति टीमों द्वारा विद्यालयों, महाविद्यालयों, कोचिंग संस्थानों, बाजारों एवं ग्राम सभाओं में संवाद कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं एवं बालिकाओं को गुड टच–बैड टच, आत्मरक्षा के उपाय, महिला उत्पीड़न से संबंधित विधिक अधिकारों, तथा विभिन्न हेल्पलाइन सेवाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही साइबर अपराधों के बढ़ते खतरे को .ष्टिगत रखते हुए ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी कॉल/लिंक, सोशल मीडिया के दुरुपयोग, बैंकिंग धोखाधड़ी एवं व्ज्च साझा न करने के संबंध में विशेष जागरूकता उत्पन्न की गई।

संतोष कुमार द्विवेदी ने संभाला सिद्धार्थनगर के जिला सूचना अधिकारी का कार्यभार

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर निदेशक सूचना एवं जनसंपर्क, लखनऊ द्वारा जारी निर्देशों के क्रम में संतोष कुमार द्विवेदी का स्थानांतरण जनपद सिद्धार्थनगर के जिला सूचना अधिकारी पद पर किया गया है। इसी क्रम में उन्होंने मंगलवार को पूर्वाह्न में जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन के समक्ष जिला सूचना अधिकारी, सिद्धार्थनगर का कार्यभार ग्रहण किया। नवागत जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार द्विवेदी वर्ष 2018 बैच के यूपीपीसीएस अधिकारी हैं। इससे पूर्व वह जनपद अंबेडकर नगर, अयोध्या एवं बहराइच में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। सिद्धार्थनगर पहुंचने के बाद उन्होंने जिला सूचना कार्यालय का निरीक्षण किया तथा कार्यालय के कर्मचारियों से परिचय प्राप्त किया। इसके साथ ही उन्होंने जनपद के मीडिया प्रतिनिधियों से मुलाकात कर संवाद स्थापित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि मीडिया प्रतिनिधियों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी प्रचार–प्रसार करना उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन एवं मीडिया के बीच सौहार्दपूर्ण वातावरण में समन्वय बनाकर जनहित से जुड़ी सूचनाओं को आमजन तक पहुंचाने का कार्य पूरी प्रतिबद्धता के साथ किया जाएगा।

सोनभद्र की पहचान को नई मजबूती सदर तहसील से हटेगा 'रश्बर्ट्सगंज' नाम

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। सदर विधायक भूपेश चौबे की पहल एवं शासन स्तर पर किए गए प्रयासों के अनुरूप जनपद सोनभद्र की ऐतिहासिक एवं भौगोलिक पहचान को और अधिक सु.ढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। इसी क्रम में जिलाधिकारी चर्चित गौड़ द्वारा सदर तहसील का नाम ''रॉबर्ट्सगंज'' से परिवर्तित कर ''सोनभद्र'' किए जाने तथा ग्राम टाड़के डौर उर्फ रॉबर्ट्सगंज का नाम परिवर्तित कर केवल ''ग्राम टाड़ के डौर'' किए जाने का प्रस्ताव मंडलायुक्त महोदय को प्रेषित किया गया है। जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने बताया कि जनपद की पहचान को एकरूपता प्रदान करने के उद्देश्य से पूर्व में नगर पालिका परिषद रॉबर्ट्सगंज का नाम परिवर्तित कर नगर पालिका परिषद सोनभद्र किया जा चुका है। इसके साथ ही रेलवे स्टेशन एवं रोडवेज स्टेशन का नाम भी ''रॉबर्ट्सगंज'' के स्थान पर ''सोनभद्र'' किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि सदर तहसील एवं ग्राम टाड़के डौर उर्फ रॉबर्ट्सगंज के नाम परिवर्तन का प्रकरण वर्ष 2022 से विभिन्न स्तरों पर विचाराधीन था। शासन की मंशा तथा जनभावनाओं के अनुरूप आवश्यक कार्रवाई करते हुए इसका प्रस्ताव मंडलायुक्त महोदय को अग्रेतर कार्रवाई हेतु भेज दिया गया है। जनपद के नाम के अनुरूप तहसील एवं अन्य प्रमुख संस्थानों के नाम एक समान होने से प्रशासनिक पहचान और जनसुविधाओं में स्पष्टता आएगी तथा सोनभद्र की विशिष्ट पहचान को और अधिक मजबूती मिलेगी।

रिसिया पुलिस का बड़ा खुलासा, हत्या बताकर दर्ज कराया गया था मुकदमा, युवती प्रेमी के साथ मिली सकुशल

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बहराइच। रिसिया थाना क्षेत्र में दर्ज एक चर्चित मामले का

पुलिस ने सफल खुलासा करते हुए उस युवती को सकुशल बरामद कर लिया, जिसकी हत्या किए जाने की आशंका जताते हुए उसकी मां ने मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस जांच में युवती अपने प्रेमी के साथ मिली। पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव के निर्देशन में गठित टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए युवती का पता लगाया और उसे सुरक्षित बरामद कर लिया। इस कार्रवाई की क्षेत्र में व्यापक चर्चा हो रही है।

आपसी मतभेद के चलते चाकू से किया वार, अफरातफरी में एंबुलेंस ने बचाई मरीज की जान

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। 22 वर्षीय रवि पुत्र राजेश ग्राम मस्जिदिया ब्लॉक इटवा जिला सिद्धार्थनगर के निवासी है जो अपना घर बनवाने के लिए ठेकेदार को पैसे दे दिए थे लेकिन ठेकेदार ने लेबर को पैसे नहीं दिए जिससे गुस्से में आकर लेबर ने चाकू से गले पेट और बांह पर कई हमले किये जिससे शरीर से काफी खून बहने की वजह से उसकी हालत तेजी से बिगड़ने लगी। हालत बिगड़ते देख परिवार के लोगों ने 108 पर सूचना दी, इमर्जेसी की सूचना सीएचसी इटवा की गाड़ी UP32 FG 12319 को मिली। ईएमटी दिनेश और पायलट श्यामलाल बताए गये स्थान पर पहुंचे, घटना स्थल पर ईएमटी ने बड़ी फुर्ती से

मरीज को स्ट्रेचर की सहायता से एंबुलेंस में लिया और गहरे जख्म बड़ी पट्टीयो के सहायता से बहते खून को रोका। मरीज को तत्काल सीएचसी इटवा से जिला अस्पताल सिद्धार्थ नगर के लिए रवाना हुवे, रास्ते में ऑनलाइन डॉक्टर रोचना की सुपरविजन में अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सक मरीज की देखभाल में जुट गए। मरीज की नाजुक हालत को देखते हुए घरवालों ने तुरंत 108 एंबुलेंस सेवा की मदद ली। ईएमटी की तत्परता, तकनीकी दक्षता और बेहतर पेशेंट केयर के चलते मरीज को सुरक्षित जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उपचार शुरू करते हुए उसे खतरे से बाहर बताया। क्लस्टर प्रशिक्षण का दिखा सकारात्मक परिणामः हाल ही में संचालित क्लस्टर आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम का लाभ इस घटना में स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। प्रशिक्षण के दौरान आपातकालीन परिस्थितियों में मरीज की स्थिति का आकलन, त्वरित निर्णय क्षमता, विषाक्तता (च्वपेवदपदह) के मामलों का प्रबंधन एवं अस्पताल पहुंचने तक जीवन रक्षक देखभाल जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेष जोर दिया गया था। ईएमटी जय सिंह यादव द्वारा प्रदर्शित दक्षता और पेशेवर कार्यशैली इस प्रशिक्षण की सफलता को दर्शाती है।परिजनों और अस्पताल स्टाफ ने की सराहनाःमरीज के परिजनों और अस्पताल कर्मियों ने 108 एंबुलेंस सेवा तथा ईएमटी दिनेश की सराहना करते हुए कहा कि यदि समय पर एंबुलेंस और प्रशिक्षित चिकित्सा कर्मी नहीं मिलते तो स्थिति और गंभीर हो सकती थी। यह घटना न केवल 108 एंबुलेंस सेवा की उपयोगिता को दर्शाती है, बल्कि यह भी साबित करती है कि प्रशिक्षित ईएमटी और समय पर मिली आपातकालीन चिकित्सा सहायता किसी भी मरीज के लिए जीवन और मृत्यु के बीच का अंतर साबित हो सकती है

आप की सरकार, आपके द्वार बना जनविश्वास का केंद्र, बड़ी संख्या में पहुंचे ग्रामीण

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बस्ती। मंगलवार को केंद्र सरकार के सफल 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे जनसंपर्क एवं जनकल्याण अभियान के अंतर्गत विकासखंड साऊघाट परिसर में ष्आप की सरकार, आपके द्वारष् कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रुधौली के पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल शामिल हुए। इस अवसर पर विभिन्न विभागों द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ ही आम जनता की समस्याओं का निस्तारण भी किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के स्टाल लगाकर सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी दी गई तथा पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया। कार्यक्रम के दौरान लोगों ने अपनी समस्याओं एवं शिकायतों को संबंधित अधिकारियों के समक्ष रखा, जिनके समाधान के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए। मुख्य अतिथि पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने पिछले 12 वर्षों में सेवा, सुशासन और जनकल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। सरकार की मंशा है कि आम जनता को योजनाओं का लाभ बिना किसी भेदभाव के सीधे मिले और प्रशासन जनता के द्वार तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशानुसार सभी विभागों के अधिकारी जनहित से जुड़े कार्यों का निस्तारण ब्लॉक मुख्यालय स्तर पर ही सुनिश्चित करें, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने अधिकारियों से जनता की समस्याओं को संवेदनशीलता के साथ सुनकर उनका त्वरित समाधान करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में लाभार्थियों को प्रमाण पत्र एवं स्वी.ति पत्र वितरित किए गए तथा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन–जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से बीडीओ मनोज कुमार श्रीवास्तव, मंडल अध्यक्ष कार्मेंद्र चौहान, सुरेश भट्ट, अतुल यादव, मंडल प्रभारी विजय पांडेय राजू जिला मंत्री सुरेंद्र चौधरी, दिलीप गुप्ता, सुभाष चौधरी सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिकों, जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों की उपस्थिति रही।

प्रोसेस्ड फ्रूट्स एवं वेजिटेबल उत्पादों पर विशेष अभियान, सिद्धार्थनगर में सात नमूने जांच के लिए भेजे गए

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर।आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उत्तर प्रदेश तथा जिलाधिकारी सिद्धार्थनगर के निर्देश पर जनपद में प्रोसेस्ड फ्रूट्स एवं वेजिटेबल उत्पादों की गुणवत्ता जांच के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में सहायक आयुक्त (खाद्य) के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने विभिन्न प्रतिष्ठानों पर छापेमारी कर खाद्य पदार्थों के नमूने एकत्र किए।छापेमारी के दौरान इटवा बाजार स्थित अटलनगर क्षेत्र से 01 मिक्स्ड

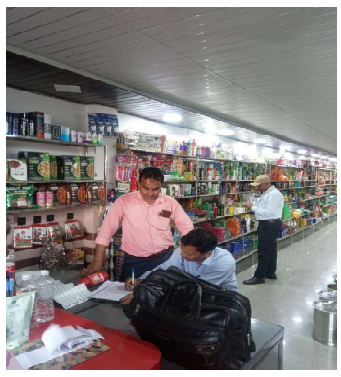

पिकल एवं 01 ग्रीन चिली पिकल (नीलोंस ब्रांड) का नमूना लिया गया। वहीं इटवा–बिस्कोहर मार्ग स्थित प्रतिष्ठानों से 01 मिक्स्ड फ्रूट जैम (टेस्टोस ब्रांड), 01 मिक्स्ड फ्रूट जैम, 01 टोमैटो केचप तथा 01 मिक्स्ड पिकल का नमूना संग्रहित किया गया। इसके अलावा साड़ी चौराहा, नौगढ़ स्थित प्रतिष्ठान से 01 कॉन्टिनेंटल सॉस (एवरेस्ट ब्रांड) का नमूना लिया गया। इस प्रकार कुल सात नमूने एकत्र कर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं।अधिकारियों ने बताया कि प्रयोगशाला से जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम–2006 के प्रावधानों के तहत नियमानुसार विधिक कार्रवाई की जाएगी।छापेमारी अभियान में आर. एल. यादव, सहायक आयुक्त (खाद्य) द्वितीय तथा खाद्य सुरक्षा अधिकारी हीरालाल और नीरज कुमार चौधरी सहित विभागीय टीम के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

जन कल्याण शिविर का किया गया आयोजन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

करमा/सोनभद्र ।। विकास खण्ड करमा सभागार में मंगलवार को भाजपा सरकार के सेवा संस्कार,सुशासन एवं जनकल्याणकारी योजनाओं को जनता को समर्पित 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में खण्ड विकास अधिकारी गुरुशरन श्रीवास्तव की अध्यक्षता में जन कल्याण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमे एन, आर, एल, एम, की समूह की महिलाओं, स्वास्थ्य,पशु पालन, .षि विभाग द्वारा स्टाल लगाकर शासन द्वारा जारी योजनाओं की जानकारी दी गई। बी, डी, ओ ने प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री आवास योजना, वृद्धा, विधवा, दिव्यांग, समेत अन्य कई योजनाओं की जानकारी दी।ए, डी, ओ आईएसबी अनंत कुमार सिंह ने कहा कि समूह की महिलाओं को पापड़ उद्योग, अचार, मुरब्बा, बनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। उन्हें सरकार द्वारा धन उपलब्ध कराया जाएगा। उक्त अवसर पर सुनील कुमार, छोटे लाल, रोहित कुमार सिंह, ऋषि कुमार, शिवम सिंह, जितेंद्र सिंह, विनय कुमार यादव, आनंद कुमार, जगदीश चंद्र, रंजना मौर्या,समेत काफी संख्या में लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन विंध्यवासिनी मिश्र लहरी ने किया।

घोरावल नगर में ट्रक फसने से आवागमन बंद

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र ।घोरावल नगर पंचायत में चांदी वाले मोड़ के पास लोड ट्रक नाली में फंसने से मंगलवार की सुबह से ही घोरावल मिर्जापुर यात्रा करने के लिए लोग परेशान रहे। आलम यह रहा कि पश्चिम सीमावर्ती तथा मिर्जापुर के तरफ से आने वाले लोग घंटो परेशान रहे।लोगों को 6 किलोमीटर ज्यादा चक्कर लगाकर घोरावल नगर में प्रवेश करने के लिए विवश होना पड़ा।मंगलवार सुबह एक लोट ट्रक घोरावल नगर से मिर्जापुर की तरफ जा रही थी लेकिन चांदी वाले मोड़ के पास ट्रक का पिछला पहिया अनियंत्रित होकर नाली में फस जाने से सड़क जाम हो गया।यह सड़क जाम मंगलवार की सुबह 5रू00 से लेकर समाचार लिखे जाने रहा। इसके कारण लोगों को लगभग 6 किलोमीटर चक्कर लगाकर बायपास रोड से आवागमन करने के लिए विवश होना पड़ा।

पिछड़े जनपद से विकसित सोनभद्र की ओर बढ़ते कदम, विकास प्रदर्शनी में दिखेगी नई तस्वीर

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र ।प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जनपद सोनभद्र के पंचायत रिसोर्स सेंटर में 17 जून से 20 जून 2026 तक चार दिवसीय भव्य विकास प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने बताया कि प्रदर्शनी के माध्यम से केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास परियोजनाओं तथा सुशासन की उपलब्धियों को आमजन तक पहुंचाया जाएगा तथा पात्र लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं से जोड़े जाने का कार्य भी किया जाएग, जिलाधिकारी ने बताया कि प्रदर्शनी में विशेष रूप से जनपद सोनभद्र में तकनीकी, डिजिटल सेवाओं, शिक्षा, स्वास्थ्य, आधारभूत संरचना तथा ग्रामीण विकास के क्षेत्र में हुए उल्लेखनीय कार्यों को प्रदर्शित किया जाएगा। कभी पिछड़े जनपदों की श्रेणी में गिने जाने वाले सोनभद्र की विकास यात्रा एवं बदलती तस्वीर को आधुनिक तकनीक एवं डिजिटल माध्यमों से आमजन के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा, जिससे लोग जनपद की प्रगति एवं उपलब्धियों से परिचित हो सकें।इस दौरान जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने पंचायत रिसोर्स सेंटर पहुंचकर प्रदर्शनी स्थल पर की जा रही तैयारियों का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को प्रदर्शनी को आकर्षक, व्यवस्थित एवं जनोपयोगी बनाने के निर्देश दिए तथा विभिन्न विभागों को अपनी उपलब्धियों एवं योजनाओं का प्रभावी प्रदर्शन सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने सेल्फी विथ पीएम, लाभार्थी अनुभव साझा कार्यक्रम, योजनाओं हेतु पंजीकरण एवं जन–जागरूकता गतिविधियों की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से अधिक से अधिक संख्या में प्रदर्शनी में पहुंचकर विकास कार्यों का अवलोकन करने एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक: श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, मकान नं0- 176, ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद-सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं मकान नं. 203 निकट बी.एस.एन.एल. टॉवर खलवा मोहल्ला, नगर पालिका परिषद- बलरामपुर, जनपद- बलरामपुर, उ.प्र.-271201 से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं0- UPHIN/2021/86502। सम्पादक- राजेश कुमार शर्मा

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद जनपद- सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

भारत भाग्य विधाता की कमाई में संडे को आई तेजी, मैं वापस आऊंगा ने कंगना और मनोज की फिल्मों को छोड़ा पीछे

कंगना रनौत की लेटेस्ट रिलीज भारत भाग्य विधाता 12 जून को सिनेमाघरों में पहुंची थी. इसे कई नई और कुछ हफ्ते पुरानी फिल्मों के साथ मुकाबला करना पड़ रहा है. ऐसे में भारत भाग्य विधाता को बॉक्स ऑफिस पर पहले दिन से ही कमाई के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है. हालांकि फिल्म की कमाई में दूसरे दिन उछाल भी देखा गया. चलिए यहां जानते हैं भारत भाग्य विधाता ने रिलीज के तीसरे दिन यानी संडे को कितना कलेक्शन किया है?

मनोज तापड़िया के निर्देशन में बनी भारत भाग्य विधाता 26ध्11 के हमलों की घटनाओं को उन हेल्थकेयर वर्कर्स के नजरिए से दिखाती है जिन्होंने मरीजों की जान बचाने के लिए अपनी जान जोखिम में डाली थी. कंगना ने न सिफ इस फिल्म में लीड रोल प्ले किया है, बल्कि उन्होंने मणिकर्णिका फिल्म्स बैनर के तहत इसे को–प्रोड्यूस भी किया है. इस फिल्म की क्रिटिक्स ने काफी तारीफ की है. लेकिन बॉक्स ऑफिस पर ये कमाई नहीं कर पा रही है.

इंडस्ट्री ट्रैकर सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक भारत भाग्य विधाता ने थिएटर्स में अपने तीसरे दिन यानी संडे को 1.80 करोड़ (नेट) की कमाई की है. इसी के साथ भारत में इसकी कुल नेट कमाई 4.25 करोड़ हो गई है. रविवार के आंकड़े बताते हैं कि फिल्म की कमाई में तेजी आई है. दूसरे दिन 1,956 शो के मुकाबले तीसरे दिन इसके शो की संख्या घटकर 1914 रह गई, जबकि कुल ऑक्यूपेंसी लगभग 21त्न रही.

26ध्11 के भयानक मुंबई आतंकी हमलों के बैकग्राउंड पर बनी भारत भाग्य विधाता फिल्म मुंबई के कामा अस्पताल के स्टाफ की हिम्मत और जज्बे को दिखाती है. नर्स अंजलि कुल्थे और उनके साथियों की असल जिंदगी की बहादुरी से इंस्पायर ये फिल्म उन डॉक्टरों, नर्सों और अस्पताल के कर्मचारियों की कहानी है, जिन्होंने शहर में फैले आतंक के बीच मरीजों जिनमें गर्भवती महिलाएं, न्यू बॉर्न बेबीज और गंभीर रूप से बीमार लोग शामिल थे की जान बचाने के लिए अपनी जान जोखिम में डाल दी थी. फिल्म में कंगना रनौत मुख्य भूमिका में हैं, और उनके साथ गिरिजा ओक, स्मिता तांबे और ईशा डे भी अहम किरदारों में हैं.

कंगना की फिल्म भारत भाग्य विधाता की लागत 45 करोड़ बताई जा रही है. वहीं ये फिल्म रिलीज के तीन दिन बाद भी 5 करोड़ का कलेक्शन भी नहीं कर पाई है. ऐसे में फिल्म के लिए अपनी पूरी लागत तो दूर आधा बजट वसूलना भी नामुमकिन लग रहा है. इस हाल में फिल्म पर अब फ्लॉप होने का खतरा मंडरा रहा है.

वहीं इम्तियाज अली अपनी रोमांटिक ड्रामा फिल्मों के लिए जाने जाते हैं. उनके निर्देशन में बनी फिल्म मैं वापस आऊंगा को रिलीज हुए तीन दिन हो चुके हैं. तीसरे दिन, यानी रविवार को इस फिल्म की कमाई में भी तेजी आई.

सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक मैं वापस आऊंगा ने रिलीज के तीसरे दिन यानी संडे को 2.50 करोड़ की कमाई की है. वहीं फिल्म ने दूसरे दिन 1.85 करोड़ रुपये कमाए थे और पहले दिन इसका कलेक्शन 1.15 करोड़ रुपये रहा था. इसी के साथ इस फिल्म की कुल कमाई अब 4.92 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है, इस फिल्म में दिलजीत दोसांझ, नसीरुद्दीन शाह, वेदांग रैना और शरवरी वाघ मुख्य भूमिकाओं में हैं.

इधर चिन्मय मांडलेकर द्वारा निर्देशित फिल्म गवर्नर में मनोज बाजपेयी मुख्य भूमिका में हैं. फिल्म गवर्नर 1991 के आर्थिक संकट के बैकग्राउंड पर बेस्ड है. फिल्म में मनोज बाजपेयी के अभिनय की काफी तारीफ हो रही है. हालांकद्घ ये बॉक्स ऑफिस पर कमाल नहीं कर पा रही है.

सैकनिल्क के आंकड़ों के मुताबिक इस फिल्म ने रिलीज के तीसरे दिन यानी संडे को 1.40 करोड़ रुपये कमाए हैं. फिल्म ने दूसरे दिन 1.15 करोड़ रुपये की कमाई की थी जबकि पहले दिन इसका कलेक्शन 90 लाख रुपये था. इसी के साथ इसकी अब तक की कुल कमाई 3.45 करोड़ रुपये हो गई है.

खुद को चुनने में कभी देर नहीं होती, मनीषा कोइराला ने थाईलैंड ट्रिप की तस्वीरों के साथ दी नई शुरुआत की सीख

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में कई महिलाएं परिवार, बच्चों

और जिम्मेदारियों के बीच अपने सपनों को कहीं पीछे छोड़ देती हैं। समय के साथ उन्हें लगने लगता है कि अब उनकी उम्र निकल चुकी है और कुछ नया करने का समय नहीं बचा है। ऐसी सभी महिलाओं को बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री मनीषा कोइराला ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए खास संदेश दिया। उन्होंने कहा कि जिंदगी में खुद को चुनने और अपने सपनों को पूरा करने के लिए कभी भी देर नहीं होती। मनीषा कोइराला ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर थाईलैंड ट्रिप की कुछ खूबसूरत तस्वीरें साझा कीं। इन तस्वीरों में वह बेहद खुश नजर आ रही हैं। कहीं वह प्राकृतिक सुंदरता के बीच समय बिताती दिख रही हैं, तो कहीं शांत माहौल का आनंद लेती दिखाई दे रही हैं। तस्वीरों में वह जीवन के छोटे–छोटे पलों का आनंद नजर आ रही रही हैं। इन तस्वीरों के साथ मनीषा ने कैप्शन में लिखा, जो महिलाएं यह सोचती हैं कि अब उनके लिए बहुत देर हो चुकी है, उन्हें इस सोच को छोड़ देना चाहिए। ट्रिप करें, नई शुरुआत करें और सबसे जरूरी बात, खुद को चुनें। मैं दुनिया को एक्सप्लोर कर रही हूं और साथ ही अपने स्वास्थ्य और मानसिक शांति का भी ध्यान रख रही हूं। मनीषा कोइराला के इस पोस्ट पर कई लोगों ने कमेंट्स किए। एक यूजर ने लिखा, मनीषा जी, आपकी यह पोस्ट हर महिला के लिए प्रेरणा है। दूसरे यूजर ने लिखा, सच कहा आपने जिंदगी उम्र से नहीं, सोच से चलती है। अन्य यूजर्स ने कमेंट्स में इमोजी शेयर किए। बता दें कि मनीषा कोइराला हिंदी सिनेमा की उन चुनिंदा अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं जिन्होंने अपने अभिनय से दर्शकों के दिलों पर गहरी छाप छोड़ी है। उन्होंने 1991 में सौदागर से बॉलीवुड में कदम रखा और पहली ही फिल्म से पहचान बना ली। इसके बाद उन्होंने 1942रू ए लव स्टोरी, बॉम्बे, खामोशीरू द म्यूजिकल, दिल से, मन, लज्जा और कंपनी जैसी कई यादगार फिल्मों में काम किया। उनकी फिल्मों के गाने भी बेहद लोकप्रिय रहे, जिनमें एक लड़की को देखा तो ऐसा लगा, रिम झिम रिम झिम, तू ही रे, जिया जले और नशा यह प्यार का नशा है आज भी लोगों की पसंद बने हुए हैं। अपने शानदार अभिनय के लिए मनीषा को कई बड़े सम्मान भी मिले हैं। उन्हें बेस्ट परफॉर्मेंस के लिए फिल्मफेयर क्रिटिक्स पुरस्कार, सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के लिए फिल्मफेयर पुरस्कार (क्रिटिक्स कैटेगिरी) सहित कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सराहना मिली।

पेड्डी की 11वें दिन ताबड़तोड़ कमाई, वर्ल्डवाइड 300 करोड़ रुपये के पार पहुंचा कलेक्शन

राम चरण की फिल्म पेड्डी सफलता के साथ बॉक्स ऑफिस पर

अपनी जगह को बरकरार रखे हुए है। फिल्म ने न सिर्फ भारत में, बल्कि विश्व स्तर पर भी ताबड़तोड़ कमाई की और वीकेंड में 300 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। इसके साथ रिलीज हुई वरुण धवन की फिल्म है जवानी तो इश्क होना है ने वीकेंड पर थोड़ी बढ़त हासिल की है। आइए जानते हैं इन दोनों फिल्मों की कमाई का ताजा हाल। सैकनिल्क के मुताबिक, पेड्डी ने अपनी रिलीज के 11वें दिन, यानी रविवार को 9.20 करोड़ रुपये कमाए हैं। इससे पहले, फिल्म ने 10वें दिन 8.10 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। अपने दूसरे हफ्ते में आकर पेड्डी ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 216 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है, जबकि विश्व स्तर पर ग्रॉस कमाई 307.98 करोड़ रुपये हो गई है। बुची बाबू सना द्वारा निर्देशित फिल्म में जाह्नवी कपूर, दिव्येंदु, बोमन ईरानी और शिव राजकुमार भी हैं। उधर वरुण की फिल्म ने रिलीज के 10वें दिन, यानी रविवार को 2.75 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। 9वें दिन यह कमाई 2.25 करोड़ और 8वें दिन 1.85 करोड़ रुपये थी। देखा जाए तो आंकड़ों में मामूली बढ़त आई है। डेविड धवन द्वारा निर्देशित यह फिल्म इन 10 दिनों में 43.70 करोड़ रुपये कमा पाई है। वहीं दुनियाभर में ग्रॉस कलेक्शन 65. 51 करोड़ रुपये हुआ है। फिल्म में मृणाल ठाकुर, पूजा हेगड़े, मनीष पॉल और मौनी रॉय भी हैं।

कभी फिल्म इंडस्ट्री छोड़ना चाहती थीं निवेथा पेथुराज, सिंग गीतम बना करियर का टर्निंग पॉइंट

साउथ फिल्म इंडस्ट्री को कई सफल फिल्में देने वाली अभिनेत्री निवेथा पेथुराज ने बताया कि साल 2023 में उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री छोड़ने का मन बना लिया था। हालांकि, बाद में परिस्थितियां बदलीं और उन्हें निर्देशक सिंगीतम श्रीनिवास राव की फिल्म श्सिंग गीतम्श का हिस्सा बनने का अवसर मिला, जिसने उनके करियर को नई दिशा दी। फिल्म श्सिंग गीतम्श की सफलता के बाद आयोजित थैंक्सगिविंग इवेंट में निवेथा ने अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि एक समय ऐसा था जब वह अभिनय की दुनिया से दूर जाना चाहती थीं। उनके अनुसार, जीवन कभी–कभी ऐसे रास्तों पर ले जाता है, जहां से उसे अपने लिए सही मंजिल का पता चलता है। उन्होंने कहा कि अगर उन्होंने उस समय सिनेमा छोड़ने का फैसला कायम रखा होता, तो शायद आज वह इस खास फिल्म का हिस्सा नहीं बन पातीं। निवेथा ने फिल्म के निर्माता नाग अश्विन का विशेष रूप से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि नाग अश्विन ने उन्हें दोबारा आत्मविश्वास दिया और अभिनय की दुनिया में लौटने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान अभिनेत्री भावुक नजर आईं, उन्होंने कहा कि यदि नाग अश्विन का सहयोग नहीं मिला होता, तो वह शायद किसी शांत स्थान पर आध यात्मिक जीवन जी रही होतीं। उन्होंने स्वीकार किया कि वह एक अलग जीवन चुनने की सोच रही थीं, लेकिन अब वह पूरी ऊर्जा और विश्वास के साथ अपने करियर में वापस लौट चुकी हैं। अभिनेत्री ने फिल्म देखने के दौरान अपने भावनात्मक अनुभव का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि फिल्म की कहानी और उसका मैसेज उन्हें बेहद प्रभावित कर गया। उनके अनुसार, यह फिल्म वर्तमान समय की कई महत्वपूर्ण सामाजिक और पर्यावरण संबंधित चुनौतियों को पेश करती है। उन्होंने लोगों से अपील की कि हर शिशु के जन्म पर एक पौधा लगाने की पहल की जाए, जिससे पर्यावरण संरक्षण में मदद मिल सके। निवेथा ने यह भी कहा कि उन्हें म्यूजिक बेस्ड फिल्मों और म्यूजिक इवेंट्स से खास लगाव है। उन्होंने बताया कि वह अक्सर लंदन में आयोजित म्यूजिक फेस्टिवल्स में शामिल होती रही हैं और भारत में भी ऐसे आयोजनों की उम्मीद करती थीं। ऐसे में श्सिंग गीतम्श जैसी म्यूजिकल फिल्म का हिस्सा बनना उनके लिए बेहद खास अनुभव रहा। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने निर्देशक सिंगीथम श्रीनिवास राव की भी जमकर तारीफ की। निवेथा ने उन्हें डायरेक्टर्स के डायरेक्टर बताते हुए कहा कि उनके साथ काम करना उनके करियर के सबसे यादगार अनुभवों में से एक है। उन्होंने फिल्म की पूरी टीम का धन्यवाद करते हुए कहा कि उन पर भरोसा जताने के लिए वह सभी की आभारी हैं।

लीव–इन कंडीशनर का इस्तेमाल करते समय न करें ये 5 गलतियां

लीव–इन कंडीशनर बालों की देखभाल के लिए एक जरूरी उत्पाद है। यह बालों को नमी प्रदान करता है और उन्हें स्वस्थ बनाए रखने में मदद करता है। हालांकि, इसे सही तरीके से इस्तेमाल करना जरूरी है ताकि आप इसके पूरे फायदे उठा सकें। कई लोग बिना सही जानकारी के लीव–इन कंडीशनर का उपयोग करते हैं और कुछ गलतियां कर बैठते हैं, जिससे उन्हें अच्छे परिणाम नहीं मिल पाते। आइए जानें कि लीव–इन कंडीशनर से जुड़ी किन–किन गलतियों से बचना चाहिए।

ज्यादा कंडीशनर लगाना

लीव–इन कंडीशनर का उपयोग करते समय सबसे बड़ी गलती है ज्यादा कंडीशनर लगाना। कई लोग सोचते हैं कि जितना ज्यादा कंडीशनर लगाएंगे, उतना बेहतर परिणाम मिलेगा। लेकिन ऐसा करना गलत है। ज्यादा कंडीशनर लगाने से बाल चिपचिपे हो सकते हैं और उनका प्राकृतिक रूप बिगड़ सकता है। इसलिए हमेशा मात्रा का ध्यान रखें और जरूरत के अनुसार ही कंडीशनर लगाएं ताकि बाल स्वस्थ और चमकदार बने रहें।

गीले बालों पर लगाना

गीले बालों पर लीव–इन कंडीशनर लगाने से पहले उन्हें हल्का सूखा लें। गीले बालों पर सीधा कंडीशनर लगाने से वह सही तरीके से अवशोषित नहीं होता और बालों की जड़ों तक नहीं पहुंच पाता। इससे बालों की जड़ें कमजोर हो सकती हैं और उनमें रूखापन आ सकता है। इसलिए हमेशा तौलिये से हल्का सूखा लेने के बाद ही बालों पर कंडीशनर लगाएं ताकि वह सही तरीके से अवशोषित हो सके और बाल स्वस्थ रहें।

सिर की त्वचा पर कंडीशनर लगानाः सिर की त्वचा पर लीव–इन कंडीशनर लगाना भी एक आम गलती है, जिसे कई लोग अनजाने में कर बैठते हैं। कंडीशनर सिर्फ बालों की लंबाई पर लगाना चाहिए, न कि सिर की त्वचा पर क्योंकि इससे त्वचा चिपचिपी हो सकती है और जमीनी स्तर पर तेल जमा हो सकता है। इससे सिर की ताजगी कम होती है और बालों में रूखापन आ सकता है। इसलिए हमेशा कंडीशनर को बालों की लंबाई पर ही लगाएं ताकि सिर की ताजगी बनी रहे।

गलत समय पर उपयोग करनाः लीव–इन कंडीशनर का सही समय पर उपयोग करना भी जरूरी है। कई लोग धोने के तुरंत बाद या सोने से पहले लीव–इन कंडीशनर का उपयोग करते हैं, जो सही नहीं है। सबसे अच्छा समय है जब आपके बाल थोड़े सूखे हों यानी तौलिये से हल्का सूखा लिया हो। इससे कंडीशनर बेहतर तरीके से काम करेगा और आपके बालों को पूरा पोषण देगा। सही समय पर उपयोग करने से आपके बाल स्वस्थ और चमकदार बने रहेंगे।

गलत उत्पाद चुननाः लीव–इन कंडीशनर चुनते समय उसकी गुणवत्ता पर ध्यान देना बहुत जरूरी है। कई बार सस्ते दाम देखकर लोग घटिया गुणवत्ता वाले उत्पाद खरीद लेते हैं, जो बालों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। हमेशा अच्छी ब्रांडेड कंपनियों का ही चयन करें जो प्राकृतिक सामग्रियों से बने हों। इन गलतियों से बचकर आप अपने बालों को स्वस्थ रख सकते हैं और लीव–इन कंडीशनर के पूरे फायदों का आनंद ले सकते हैं।